मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-8, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 227 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

01 फरवरी 2024 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

26 अधिकतम

12 न्यूनतम

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया चुनाव पूर्व अंतरिम बजट

कहा-रिफार्म, परफॉर्म व ट्रांसफार्म अब सरकार का अगला चरण

परंपरा से मजबूर, सरकार बड़े ऐलानों से दूर

वित्त मंत्री के ऐलान

- अगले वित्त वर्ष में सरकारी व्यय 47.66 लाख करोड़ और कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमानः सात साल में तीन गुना हुआ प्रत्यक्ष कर संग्रह
- अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को 5.1 प्रतिशत रखने का लक्ष्य
- बकाया प्रत्यक्ष कर मांगों को वापस लिया जायेगा, एक करोड़ लोगों को फायदा
- अगले वित्त वर्ष में सरकारी उधारी कम रहने का अनुमान, कारोबारियों के लिए अधिक धनराशि होगी उपलब्ध कर व्यवस्था में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं
- 4 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला
- 11.8 करोड़ किसान आज सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।
- 25 करोड़ लोगों को सरकार ने गरीबी से बाहर निकाला है।
- युवाओं को सशक्त करना सरकार की पहल है।

राष्ट्रपति ने खिलाया दही

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ने राज्य मंत्री डॉ भागवत किशनराव कराड और पंकज चौधरी तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बजट पेश करने से पहले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी।

आज संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने अंतरिम बजट पेश किया उन्होंने कहा कि अब सरकार का फोकस समय पर आर्थिक मदद, प्रासंगिक प्रौद्योगिकी, एमएसएमई को सशक्त बनाने जैसे पहलुओं पर नई नीतियों के जरिए काम होगा तथा सरकार ऊर्जा सुरक्षा पर भी काम करेगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि '10 वर्ष में अर्थव्यवस्था में काफी विकास हुआ है। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तब कई चुनौतियां मौजूद थीं। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ सरकार ने इन चुनौतियों का सामना किया।' वहीं पीएम मोदी बजट के बाद कहा कि यह इनोवेटिव बजट है। इससे पूर्व संसद में सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार ने नागरिक प्रथम और न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन दृष्टिकोण के साथ जवाबदेह, जन केंद्रित और विश्वास आधारित प्रशासन प्रदान किया है। अमृतकाल के लिए सरकार ऐसी आर्थिक नीतियों को अपनाएं जो टिकाऊ विकास, सभी के लिए अवसरों, क्षमता विकास पर केंद्रित रहेंगी। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के साथ हम सुधारों का अगला चरण शुरू करेंगे।

वित्त मंत्री ने दावा किया कि गरीब का कल्याण, देश का कल्याण, हम इस मंत्र के साथ काम करते हुए हमने 25 करोड़ लोगों को विविध तरह की गरीबी से बाहर निकाला है। भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए काम किया जा रहा है। पिछले 10 साल में हमने सबके लिए आवास, हर घर जल, सबके लिए बैंक खाते जैसे कामों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। अन्नदाताओं की उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया। पारदर्शिता के साथ संसाधनों का वितरण किया गया है। असमानता दूर करने का प्रयास किया है ताकि सामाजिक परिवर्तन लाया जा सके। प्रधानमंत्री के मुताबिक गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता, ये ही चार जातियां हैं, जिन पर हमारा फोकस है। उनकी जरूरतें, उनकी आकांक्षाएं हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

40 हजार रेल कोच, वंदे भारत जैसे, तीन करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

रेलवे से लेकर अन्य सेक्टर में प्रोजेक्ट को लेकर सरकार ने अपना विजन रखा है, स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट एक साल के लिए बढ़ाई है। लखपति दीदी योजना को विस्तारित किया जाएगा ,इसमें तीन करोड़ को लखपति बनाया जाएगा। आशा बहनों को भी आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्यों को ब्याज मुक्त कर्ज योजना जारी रहेगी। तीन नए रेल कॉरिडोर बनेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 फीसदी ज्यादा खर्च होगा। रक्षा खर्च 11.1प्रतिशत बढ़ाया है। तिलहन अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा, हर महीने तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त। ब्लू इकोनॉमी 2.0 के तहत नई योजना शुरू की जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा । 50 साल के लिए 1 लाख करोड़ के ब्याज मुक्त लोन। 40 हजार सामान्य रेल कोच वंदे भारत जैसे कोच में बदलेंगे। सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीनेशन पर ध्यान दिया जाएगा। मध्यम वर्ग के लिए आवास योजना में अगले 5 साल में 2 करोड़ घर बनेंगे। मनरेगा के लिए 60 हजार करोड़ से 86 हजार करोड़ का बजट किया गया

आयकर में कोई बदलाव नहीं, कार्पोरेट टैक्स घटा

सरकार ने बजट में टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया है। फिलहाल आयकर दाताओं को राहत नहीं है। 7 लाख तक की आय पर टैक्स नहीं लिया जाता है, मगर टैक्स भरने की प्रक्रिया आसान की गई है। वित्त मंत्री ने कहा, हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखा है। ज्ञात हो कि अंतरिम बजट में किसी तरह की लोकलुभावन घोषणाएं नहीं की जाती हैं। हालांकि, कॉर्पोरेट टैक्स घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया है।

बजट और सरकार का इरादा

एक करोड़ घरों को सौर उर्जा से मुफ्त बिजली

रूफटॉप सौर ऊर्जा से एक करोड़ घरों को 300 यूनिट की मुफ्त बिजली हर महीने सौर ऊर्जा के जरिए मिल पाएगी। 15-18 हजार रुपये की बचत होगी। ई-व्हीकल की चार्जिंग के लिए बड़े पैमाने पर इंस्टॉलेशन होंगे। इससे वेंडरों को काम मिलेगा।

पांच एक्वा पार्क बनेंगे, 55 लाख कृषि रोजगार

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसानों को फायदा मिला है और 10 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। उपज के बाद होने वाले नुकसान को रोकने के लिए भी योजनाओं पर काम हो रहा है। कृषि उपज होने के बाद की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी मजबूत की जाएगी। आत्मनिर्भर तेल बीज अभियान को मजबूत किया जाएगा। इसके तहत कृषि की नई प्रौद्योगिकी और कृषि बीमा को बढ़ावा दिया जाएगा। रोजगार के 55 लाख नए अवसरों को उत्पन्न किया जाएगा। पांच समेकित एक्वा पार्क बनाए जाएंगे।

दो करोड़ नए घर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर भारत और दूसरे देशों के लिए भी एक परिवर्तनकारी कदम है।' वित्त मंत्री ने कहा, 'कोविड के बावजूद हमने पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 3 करोड़ घर बनाने का काम पूरा हुआ। 2 करोड़ घर अगले 5 साल में और बनाए जाएंगे।'

दावा : लोग अच्छे से रह रहे व अच्छी आमदनी कर रहे हैं

बजट में कहा गया कि औसत वास्तविक आमदनी 50 फीसदी बढ़ी है। महंगाई दर संभली हुई है। परियोजनाएं समय पर पूरी हो रही हैं। लोग अच्छे से रह रहे हैं और अच्छी आमदनी कर रहे हैं। बड़ी योजनाओं की प्रभावी तरीके से और समय पूरा किया जा रहा है। जीएसटी ने एक देश, एक मार्केट और एक टैक्स की धारणा को मजबूत किया है। आईएफएससी ने वैश्विक वित्तीय निवेश का रास्ता खोला है।

बकाया टैक्स पर छूट का ऐलान : हालांकि इस बजट में सरकार ने बकाया प्रत्यक्ष कर मांग में छूट देने का ऐलान किया है. वित्त वर्ष 2010 तक के बकायों में 25,000 रुपये छूट देने का ऐलान किया गया है. जबकि वित्त वर्ष 2011 से वित्त वर्ष 2015 के लिए 10 हजार रुपये तक के छूट का ऐलान हुआ है. सरकार की मानें तो इससे एक करोड़ करदाताओं को लाभ होगा।

यह अंतरिम बजट और इसकी कुछ सीमाएं हैं

इस बजट को कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने निराशाजनक बताया है वहीं आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष समीर सोमैया ने कहा यह अंतरिम बजट है और इसकी कुछ सीमाएं हैं, लेकिन इससे सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में अंदाजा हो जाएगा। हमारे पास युवा जनसंख्या है और हमें उन्हें स्किल बनाने की जरूरत है। डिफेंस, स्पेस, कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप बनाने की जरूरत है ताकि देश की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत या इससे भी तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी।

फोकस में आया मिडिल क्लासः टैक्स के मामले में राहत नहीं मिलने से निराश मधयम वर्ग के लिये वित्त मंत्री सीतारमण ने नई योजना बनाने की बात कही है। यह आवास की है। सरकार किराए के मकानों या झुग्गी-झोपड़ी या चाल और अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के पात्र लोगों को अपने स्वयं के मकान खरीदने या बनाने में सहायता करने के लिए योजना शुरू करेगी।

मेट्रो एंकर

वह बजट जिसने देश को आर्थिक संकट से निकाल दिया था, मनमोहन थे सूत्रधार!

नई दिल्ली, एजेंसी।

आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनाव के पूर्व देश का अंतरिम बजट पेश किया है। चुनाव के मद्देनजर इस बजट से कई सेक्टर्स को बड़ी उम्मीदें थीं। हालांकि देश की इकॉनामी मजबूत हो रही है। मगर देश के बजट से जुड़े कुछ दिलचस्प तथ्य ऐसे भी रहे हैं, जिसके बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते। ऐसा ही एक बजट 1991 में पेश किया गया था। इस बजट को अब तक 'युगांतकारी' कहा जाता है। उस बजट का जादू ऐसा था कि देश की आर्थिक विकास की रफ्तार तेज हो गई। तब की कांग्रेस सरकार में पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे और उस समय के वित्त मंत्री व बजट के शिल्पकार वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह थे। तब डा सिंह ने देश के लाइसेंसी राज को खत्म करते हुए आर्थिक उदारीकरण के युग की शुरुआत की थी। यह बजट ऐसे समय में पेश किया गया, जब देश आर्थिक पतन की ओर जा रहा था। इस बजट में निर्यात को लेकर कई बड़े कदम उठाए गए थे। सीमा शुल्क को 220 फीसदी से घटाकर 150 फीसदी कर दिया गया। साथ ही विदेशी निवेशकों के लिए दरवाजे खोल दिए गए थे।

इसलिए कहलाता है युगांतकारी

दरअसल इस बजट में विदेशी कंपनियों के आगमन की भी अनुमति दी गई थी और कई नियमों में बदलाव किया गया था। साथ ही बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए भी कई अहम कदम उठाए गए थे। इस कदम से देश से निर्यात करने वाले उत्पादों की संख्या में इजाफा हुआ। इससे सरकारी कोष भी भरने लगा और धीरे-धीरे करके देश विकास की ओर बढ़ने लगा। तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह के इस बजट को इसीलिये 'युगांतकारी बजट' के नाम से जाना जाता है। देश की मौजूदा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार छठी बार बजट पेश करने का रिकार्ड बनाया है। अब तक वे पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश कर चुकी हैं। इसके साथ ही वह मोरारजी देसाई के नाम दर्ज रिकॉर्ड पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट की बराबरी कर चुकी हैं। वहीं इनके नाम एक और रिकॉर्ड यह है कि वह पहली ऐसी महिला वित्त मंत्री हैं, जिन्होंने पांच पूर्ण बजट पेश किए हैं। इनके नाम 2020 में सबसे लंबा बजट भाषण 2 घंटे 42 मिनट पढ़ने का रिकॉर्ड दर्ज है।

सोरेन मामला सुप्रीम कोर्ट में

चुनाव के पहले सभी विपक्षी नेता गिरफ्तार होंगेः सिब्बल

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वरिष्ठ वकील और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में हेमंत की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका दायर की है इस पर कल सुनवाई होगी। सिब्बल ने कहा कि चुनाव से पहले विपक्ष के सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सिब्बल ने कहा कि हमने रांची हाई कोर्ट से याचिका वापस ले ली है। वहीं सोरेन की हिरासत के लिए आज ईडी उन्हें कोर्ट में पेश करेगी। सोरेन की गिरफ्तारी पर यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि झारखंड में भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा सामने आ रहा है

गुजरात में फिर हिली धरती, रिक्टर पैमाने पर 4.1 रही तीव्रता

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई है. सुबह 8 बजकर 6 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए है. करीब 4 दिन पहले भी गुजरात के कच्छ में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय रिक्टर स्केल भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी। इसके असर कई इलाकों में देखा गया था। भूकंप के झटके महसूस हुए तो लोग घरों से बाहर निकल आए।

कलेक्टर-नगर निगम आयुक्त को दिए जांच के निर्देश

सड़क के बीच बिजली के खंभों से हो रहे हादसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के भेल क्षेत्र में सड़क के बीच में खड़े खम्भो से हादसा होने के मामले संज्ञान लिया है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और कार्यपालन यंत्री, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कं. लि. भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही परिस्थिति का शीघ्र समाधान कराकर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

आयोग के संज्ञान में आया है कि भेल क्षेत्र स्थित में बीडीए रोड का चैड़ीकरण कराया गया था, लेकिन सड़क के बीचों बीच लगे बिजली के खम्भो को हटाया ही नही गया है। जिसके कारण मार्ग पर वाहन चालक दुर्घटना ग्रस्त हो रहे है।

भूमाफिया के अतिक्रमण से बंद हुआ कॉलोनी का रास्ता

भोपाल शहर के नवी बाग में वार्ड क्रं. 19 में बालाजी नगर के रास्ते पर भूमाफिया द्वारा अतिक्रमण करने का मामला सामने आया है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, भोपाल एवं आयुक्त, नगर निगम भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

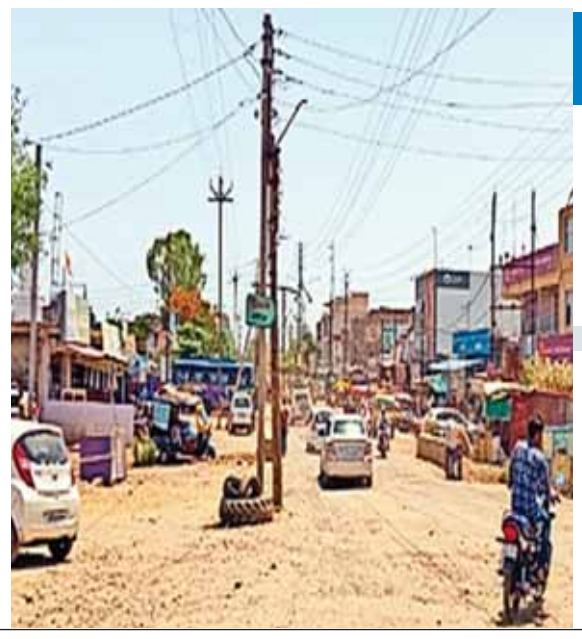

महिला स्टॉफ परेशान, न प्रसाधन और न पीने का पानी

भोपाल शहर के फंदा कला में शासकीय कॉलेज में शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने का मामला सामने आया है। आयोग ने आयुक्त, उच्च शिक्षा मप्र, संचालनालय, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई व्यवस्था का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

स्कूली बच्चे पीने के पानी के लिए परेशान

भोपाल शहर के भैंसाखेड़ी स्थित मिडिल स्कूल में बच्चों के लिये पीने के पानी के इंतजाम नहीं होने के मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने विद्यालय में पेयजल की समुचित व्यवस्था के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

मूक-बधिर बच्चों की इंप्लांट मशीन खराब, प्रमुख सचिव करेंगे जांच

भोपाल। मानव अधिकार आयोग ने भोपाल में मूक-बधिर बच्चों की इंप्लांट मशीन खराब होकर बंद होने के मामले में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य सेवाएं (मप्र) मत्रांलय, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना के अन्तर्गत प्राप्त सुविधा के उपयोग में कुछ बच्चों के श्रवणयत्रों में आई समस्या के समाधान के लिए समुचित कार्यवाही शीघ्र कराकर इस योजना की सार्थकता स्थापित करने के संबंध में एक माह में जवाब मांगा है। दरअसल आयोग के संज्ञान में आया कि प्रदेश के मूक-बधिर बच्चों में लगाई कोंक्लियर इंप्लांट मशीन खराब होकर बंद होने लगी है। मशीन बंद होने के कारण बच्चे फिर से मूक-बधिर हो रहे है। शहर में मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना के अन्तर्गत 102 मूक-बधिर बच्चों का आपरेशन कराकर मशीने लगाई थी। इनमें से करीब 85 बच्चों की मशीनों में खराबी आ चूकी है। अभिभावक मशीन में सुधार कराने की आस में बच्चों को लेकर सीएमएचओ कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान

संस्कृत की 538 प्राचीन पुस्तकें वेबसाइट पर मिलेंगी 22 पाठ्य-पुस्तकें भी अपलोड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की वेबसाइट पर अब विद्यार्थियों को संस्कृत की 538 प्राचीन पुस्तकें, प्रश्न बैंक और पाठ्यक्रम सामग्री उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही कक्षा एक की पाठ्य पुस्तकें एवं नवीन पाठ्यक्रम अनुसार गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडलम से प्राप्त कक्षा 9वीं से 12वीं तक की प्राच्य संस्कृत विषयों की 22 पाठ्य-पुस्तकें भी वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं। कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं की 3 संदर्भ पुस्तकों का प्रायोगिक संस्करण पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध कराया गया है।

प्रदेश में संस्कृत भाषा के विस्तार के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अतंर्गत संचालित महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान लगातार प्रयास कर रहा है। संस्थान संस्कृत भाषा के अनुसंधान के लिये भी शोधार्थियों को हर संभव मदद दे रहा है। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान का नवीन भवन भोपाल के तुलसी नगर में 10 करोड़ 25 लाख रूपये की लागत से बनकर तैयार हो चुका है। भवन में सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही बालक आवासीय माध्यमिक संस्कृत विद्यालय डिंडोरी के भवन का रिनोवेशन कार्य पूरा कर लिया गया है। विद्यालय में कक्षा 6 से ऊपर की पढ़ाई संस्कृत माध्यम में कराई जा रही है।

40 सरकारी, 85 निजी और 90 परम्परागत विद्यालय संचालित

प्रदेश का पहला राज्य स्तरीय शासकीय कन्या आवासीय संस्कृत विद्यालय भोपाल में संचालित हो रहा है। विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक की संस्कृत भाषा के साथ आधुनिक विषयों की शिक्षा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के माध्यम से अध्ययन कराने के लिये 40 शासकीय विद्यालय, 85 अशासकीय विद्यालय और 90 परम्परागत विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

सीता राम महा जप यज्ञ, 101 सदस्य अयोध्या रवाना

भोपाल। दस करोड़ इक्यावन लाख एक सौ एक सीता राम महा जप यज्ञ के साथ मण्डल के 101 सदस्य अयोध्या रवाना हुए। शिव शक्ति सेवा मण्डल रजि भोपाल/मंडीदीप के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 101 सदस्यों का जत्था विपिन भार्गव एवम विजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में मंडीदीप से दो स्लीपर कोच बस द्वारा राम जन्म भूमि अयोध्या रवाना हुआ जिसमें 40 महिलाएं भी शामिल है।

राजभवन में गणतंत्र दिवस परेड के प्रतिभागियों का हुआ स्वागत समारोह

'निस्वार्थ सेवा और संकल्प के संस्कारों के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पहचान कायम करें'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजभवन के सांदीपनि सभागार में बुधवार को गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभागी एन.सी.सी. कैडेट्स का स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल समारोह में एन.सी.सी. कैडेट्स को पुरस्कृत किया। राज्यपाल के समक्ष कैडेट्स ने समूह नृत्य, गायन, काव्य पाठ की प्रस्तुतियों के साथ गणतंत्र दिवस शिविर के अनुभवों को साझा किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि एन.सी.सी. सिर्फ ट्रेनिंग नहीं है। मानवीय संवेदनाओं से भरे हुए, राष्ट्र के प्रति समर्पित युवाओं के निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिसका उद्देश्य राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग, अनुशासन में रहते हुए एकता की भावना का विकास करना है। उन्होंने कैडेट्स का आव्हान किया है कि भावी जीवन में एन.सी.सी. में मिले राष्ट्र, समाज की निस्वार्थ सेवा और संकल्प के संस्कारों के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में समाज में अपनी पहचान कायम करें।

9 फरवरी को होगा नई सरकार में पहला आंदोलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महंगाई भत्ता- राहत, वाहन भत्ता मकान किराया वृद्धि को लेकर 9 फरवरी राज्य मंत्रालय पर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने सरकार द्वारा कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों की अनदेखी करने पर रोष व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से कर्मचारियों की मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की अपील की है नेताओं ने कहा कि इस भीषण महंगाई में कर्मचारियों एवं सेवानिवृत कर्मचारियों को हितों की रक्षा करना सरकार का पहला दायित्व है।

कर्मचारी नेताओं ने कहा है कि जब से यादव सरकार बनी है तभी से कर्मचारियों की मांगों पर सरकार की अनदेखी का रवैया आम हो गया है, तमाम आश्वासनों के बाद भी कर्मचारियों को हर कैबिनेट बैठक के बाद गहरी निराशा ही मिल रही है।

- **कर्मचारियों का आरोप- सरकार गठन के बाद से हो रही है अनदेखी**
- **हर कैबिनेट मीटिंग के बाद मिलती है निराशा**

स्कूलों में 1 से 5वीं तक की क्लासें 9.30 बजे से लगेंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने जारी किए आदेश, जिले के सभी स्कूलों पर होंगे लागू

भोपाल जिला कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने स्कूलों के समय का लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों में 1 से 5वीं तक की कक्षाएं सुबह 9.30 बजे के पूर्व संचालित नहीं की जाएंगी। कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं की पूर्व निर्धारित परीक्षाओं का संचालन निर्धारित समय सारणी अनुसार होगा। यह आदेश 10 फरवरी 2024 तक तत्काल प्रभावशील होगा।

मेट्रो एंकर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

हैप्पी ग्रुप ने बच्चों और शिक्षाविद गेहानी को सम्मानित किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में हैप्पी ग्रुप द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत संतजी की तस्वीर पर मार्ल्यापण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि सेवा, सिमरन और समर्पण ही जीवन है, समर्पण से त्याग और बलिदान की भावना आती है, आज के युवा समाज ही वह शक्ति है जो देश का भविष्य है जो सुख सेवा और समर्पण भाव देने में आता है वह भाव लेने में नहीं, आपने बताया कि जिस देश की युवा शक्ति जागती है उस देश में क्रांति आती है आज हमारा राम मंदिर हमारी युवा शक्ति की देन है। हैप्पी ग्रुप के अध्यक्ष राज इसरानी बताया कि हैप्पी ग्रुप जरुरतमंदों की सेवा के लिए बनाया गया है, हर शनिवार को अस्पतालों में भोजन, फल, कपड़े आदि वस्तुएं जरुरतमंदों को प्रदान करते हैं। ग्रुप के सभी सदस्य व्यापारी हैं, हमें बहुत ही कम समय मिलता है कि हम किसी की सेवा कर सकें। इस कारण से हम सभी ने हैप्पी ग्रुप का गठन किया जिसमें लगभग 32 सदस्य हैं इस ग्रुप को एक साल होने जा रहा है और हमारी सेवाएं भी निरंतर बढ़ती जा रही है यह प्रेरणा हमें संतों से मिली है।

हैप्पी ग्रुप द्वारा शिक्षाविद् विष्णु गेहानी का शाल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। ग्रुप ने विद्यार्थियों के लिए 5100 रुपये व नृत्य प्रशिक्षिका को 1100 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया। गेहानी ने भी ग्रुप के सभी सदस्यों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन भावना कलवानी ने किया।

साधु वासवानी महाविद्यालय की शिवानी ने परेड में हिस्सा लिया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी महाविद्यालय की एन सी सी कैडेट शिवानी ने कर्तव्यपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया, शिवानी ने आर डी सी कैम्प 2024 में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय चयनित हुई थीं।

शिवानी भोपाल की 4एम पी बटालियन की द्वतीय वर्ष कैडेट हैं, उन्होंने विगत तीन माह से एन सी सी के विभिन्न कैम्पों में कड़े परिश्रम व लगन से चयनित होकर इस उपलब्धि को प्राप्त किया है । शिवानी विगत एक माह से आरडीसी कैम्प दिल्ली में परेड के विशेष प्रशिक्षण के बाद गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रपति को सलामी देने वाले एन सी सी महिला शक्ति दल का हिस्सा रहीं । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए के सिंह , सोसायटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी, एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट सतीश शर्मा केयर टेकर जगतार सिंह एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

भोले के दरबार द्वारा सेवा का होगा सम्मान

भोले का दरबार द्वारा बीते वर्ष आयोजित किए गए कार्यक्रमों में सहयोग देने वाले सहयोगियों एवं भोले के दरबार के प्रमुख कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। शिव महापुराण के कथा वाचक मुकेश महाराज के जीवन व भोले के दरबार के सेवा कार्यों पर विशेषांक का विमोचन भी किया जाएगा।

हीरो हिन्दू और महेश खटवानी ने बताया है कि 2 फरवरी को प्रातः 11 बजे, ईश्वरी देवी धर्मशाला में विधायक रामेश्वर शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में दरबार के अनुयायियों के अलावा पत्रकारों और समाजसेवियों का भी सम्मान किया जाएगा।

युवाओं के सपने साकार करती मध्यप्रदेश सरकार

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"प्रदेश में रोज़गार के अवसर बढ़ें, अधिक से अधिक उद्योग यहां स्थापित हों। प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो, हम सुशासन और सुव्यवस्थाओं को स्थापित करें, प्रदेश सरकार का यही संकल्प है।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

रोज़गार दिवस

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री द्वारा

7 लाख युवाओं को ₹5 हजार करोड़ का स्वरोज़गार ऋण वितरण

अब तक 57 लाख से अधिक युवाओं को
₹ 40 हजार करोड़ का ऋण वितरित

45.89 लाख बहनों को ₹ 450 में गैस सिलेंडर रीफिल योजना में ₹ 118 करोड़ की अनुदान राशि का अंतरण

ग्वालियर-अहमदाबाद के मध्य अकासा एयर उड़ान का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ

कृषि मेला
एवं
विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

1 फरवरी, 2024 – अपराह्न 2:30 बजे – कृषि उपज मंडी प्रांगण, मुरैना, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11189/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी | मध्यप्रदेश शासन | आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सुविचार

''जब जेब में रूपये हो तो दुनिया आपकी औकात देखती है, और जब जेब में रूपये न हो तो दुनिया अपनी औकात दिखाती है!''

– अज्ञात

संपादकीय

सोरेन, सियासत व ईडी

यह पूरा सप्ताह ही जबर्दस्त सियासी उथलपुथल वाला साबित हुआ है। सप्ताह शुरू होने के पहले ही बिहार में विपक्षी दल राजद-जेडीयू -कांग्रेस की बिहार सरकार खिसकने की जमीन तैयार हो गई थी और अब वहां जेडीयू व भाजपा की सरकार बन चुकी है,इसके अगले ही दिन राजद नेता लालू यादव व तेजस्वी यादव ईडी की रडार पर आ गए और फिर पडोसी राज्य झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर ईडी ने दबिश ऐसी दी कि अंततः उन्हें सरेंडर होना पड़ा। यह सियासी रूप से भी सरेंडर रहा क्योंकि उन्होंने पद से भी इस्तीफा दिया। अब जमीन घोटाला मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने बकायादा गिरफ्तार कर लिया है। वे करीब छह महीने से पूछताछ से बचते फिर रहे थे। पूछताछ के लिए सात बार बुलाने के बाद भी वे ईडी के दफ्तर नहीं गए। ईडी ने खुद उनके दफ्तर जाकर पूछताछ की। अभी तक वे यही कह कर बचने का प्रयास कर रहे थे कि आरोपपत्र में उनका नाम नहीं है। वे ईडी के सामने खुद को बेदाग साबित नहीं कर पाए। उनकी गिरफ्तारी से पहले जिस तरह उनके कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की, उससे फिर यही जाहिर हुआ कि राजनेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप अब दलगत रस्साकशी का विषय बनते गए हैं। जैसे ही एजंसियां किसी नेता के खिलाफ जांच शुरू करती हैं, उसे केंद्र सरकार की साजिश करार देकर एक तरह से संबंधित व्यक्ति को पाक-साफ करार देने की कोशिशें शुरू हो जाती हैं। सोरेन पर सेना के स्वामित्व वाली करीब साढ़े चार एकड़ जमीन की खरीद में घोटाले और धनशोधन का आरोप है। मंगलवार को जब दिल्ली में उनके आवास पर हुई छापेमारी में छत्तीस लाख रुपए नगद और एक महंगी बेनामी गाड़ी भी बरामद की गई थी तब ही उनकी गिरफ्तारी तय हो गई थी। इस कार्रवाई के बाद सोरेन ने अपने विधायकों की बैठक बुला कर सरकार बचाने की रणनीति भी बनाई । रांची में ईडी के अधिकारी उनसे पूछताछ करते रहे और उनके कार्यकर्ता उनके घर के बाहर प्रदर्शन करते रहे। यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी नेता से पूछताछ के समय इस तरह शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक नाटक किया गया। इस तरह अब आम लोगों में भी भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सियासी रंग भर दिया गया है। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम कसने और भ्रष्टाचारियों के प्रति समाज में नकार भाव पैदा करने में मुश्किलें पेश आती हैं। इस मामले में जांच के बाद चौदह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जिनमें एक भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी और एक राजस्व उपायुक्त भी शामिल हैं। हालांकि किसी बेबुनियाद आरोप पर इतने लोगों की गिरफ्तारी तो नहीं हो सकती। अगर वे सचमुच बेदाग हैं, तो उनसे अपने पक्ष में सफाई पेश करने की उम्मीद की जाती थी। यह ठीक है कि कुछ मामलों में जांच एजेंसियों के कामकाज के तरीके पर भी सवाल उठते रहे हैं,खासतौर पर इनके एक्शन की टाइमिंग हमेशा सवालों के घेरे में रही है। लेकिन इस आधार पर कानूनन छूट भी नहीं मिल सकती। ताजा हालात में अब बरबस लोगों का ध्यान दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर गया है, जो ईडी के कई समन नजरअंदाज कर चुके हैं।

बिहार तो सिर्फ एक झलक है, इस 'अनैतिकता' की पूरी जिम्मेदारी राहुल गांधी पर

■ रशीद किदवई

नीतीश कुमार के पाला बदल लेने से विपक्षी दलों के बीच जो अराजकता और बेचैनी बढ़ी है, उसके जिम्मेदार वे स्वयं हैं। बेशक नीतीश कुमार का पाला बदलना अनैतिक हो सकता है, पर कांग्रेस की अगुआई वाले 'इंडिया' गठबंधन ने इसे होने दिया। जून, 2023 से, जब 'इंडिया' गठबंधन अस्तित्व में आया, कमेटी राज, कई शक्ति केंद्र, एक ही पार्टी को प्रमुखता और संवाद की कमी ने इसका संकेत दे दिया था। यह सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन कुछ अस्पष्ट कारणों से कांग्रेस ने अपने ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने या गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इन्कार कर दिया। इसने एक क्षेत्रीय क्षत्रप को संयोजक के पद से वंचित करने, गठबंधन सचिवालय की स्थापना करने या नेतृत्व के मुद्दे को निपटाने की संभावनाओं को खत्म कर दिया।

इस तरह से, इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी पूरी तरह से कांग्रेस और गांधी परिवार की है, खासकर राहुल गांधी की, जिन्होंने सीट समायोजन के लिए गठबंधन में आम सहमति बनाने के बजाय न्याय यात्रा को चुना। गांधी परिवार को अफसोस हो रहा होगा कि कैसे उन्होंने नीतीश को 'इंडिया'गठबंधन का संयोजक बनाकर शांत करने का सुनहरा मौका गंवा दिया। सभी लोग जब नीतीश को संयोजक बनाने पर सहमत हो गए थे, तब राहुल ने कथित तौर पर तर्क दिया कि चूंकि ममता बनर्जी नहीं थीं, इसलिए उनकी सहमति ली जानी चाहिए। अगले दो सप्ताह तक राहुल इसे या तो भूल गए या नजर अंदाज करने का फैसला लिया। ममता के साथ कोई बातचीत नहीं हुई, अंततः निराश नीतीश ने भाजपा के साथ मिलने का फैसला किया। भाजपा की रणनीति 2024 के चुनाव में अपनी संभावनाओं को मजबूत करने से ज्यादा विपक्षी गठबंधन को लोकसभा सीटों से वंचित करने से प्रेरित है।

अब मई, 2024 के बाद की पटकथा लिखने की कोशिश हो रही है, जिसमें क्षेत्रीय दल कांग्रेस को दोषी ठहराने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस के भीतर भी राहुल के वफादार नेता खरगे को दोषी ठहराने में रुचि रखते हैं, जबकि कांग्रेस के भीतर आम तौर पर लोग राहुल के खिलाफ हैं। प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति संकेत देती है कि 10 जनपथ के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। मई, 2024 के बाद कांग्रेस में औपचारिक विभाजन को खारिज नहीं किया जा सकता है। नीतीश कुमार के इस पालाबदल से जहां विपक्षी गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है, वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। हालांकि हिंदी पट्टी में भाजपा की स्थिति मजबूत है, पर पार्टी किसी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहती थी। इसलिए नीतीश को अपने पाले में लाकर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की जो थोड़ी भी संभावना थी, उसे ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा, भाजपा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह एक और राज्य में सत्ता में साझेदार बन गई है और जदयू के लिए राहत की बात है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उसके नेता नीतीश कुमार ही बने हुए हैं। जब-जब भाजपा और जदयू ने मिलकर चुनाव लड़ा है, उसके नतीजे अच्छे ही आए हैं। पिछली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर बिहार की 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य में मुख्यमंत्री कौन बनेगा, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव था। भाजपा की रणनीति है कि विपक्षी गठबंधन की एकता को झटका देकर कैसे उसे लोकसभा सीटों से वंचित रखा जाए। पश्चिम बंगाल और पंजाब में पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पैदा हो गई है, हालांकि तृणमूल कांग्रेस और आप अभी इंडिया गठबंधन में बने हुए हैं।

विपक्षी एकता के बारे में कहना जितना आसान है, उतना करना नहीं। अतीत में कई ऐसे मौके आए हैं, जब विभिन्न दलों एवं विचारधाराओं के लोग 1977, 1989, 1996, और 2004 में एकजुट हुए। वर्ष 1977 में जब शक्तिशाली इंदिरा गांधी को पराजित किया गया था, तो विपक्षी जहाज को सहारा देने के लिए एक लंगर था। जयप्रकाश नारायण की पहल पर चार प्रमुख विपक्षी पार्टियां-कांग्रेस (ओ), जनसंघ, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय लोक दल 23 जनवरी, 1977 को एकजुट हुईं और जनता पार्टी बनाई। इसी तरह, 1989 में दक्षिणपंथी और वामपंथी दल ने विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ राजीव गांधी को सरकार बनाने का मौका नहीं दिया, हालांकि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। 2004 में भी जब अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा को कांग्रेस से कम सीटें मिलीं, तो वीपी सिंह और माकपा महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने क्षेत्रीय क्षत्रपों को पर्दे के पीछे से कांग्रेस के करीब लाने का काम किया। फिर यूपीए का गठन हुआ, जिसने दस वर्षों तक राज किया। इस तरह से युग-निर्माण के हर मौके पर एकता के लिए मुश्किल से कुछ महीने काम किया गया। अब जबकि अप्रैल-मई में होने वाले चुनाव की उल्टी गिनती शुरू होने वाली है, विपक्ष ताश के पत्ते की तरह ढह रहा है।

एक और बात है, जो विपक्षी खेमे को बांधे हुए है। अधिकांश विपक्षी नेता यह भी जानते हैं कि राहुल 2024 में प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। वह तब तक दावेदार नहीं होंगे, जब तक कि कांग्रेस 2024 में अप्रत्याशित रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं करती। राहुल की योजना के अनुसार, जब तक कांग्रेस लोकसभा में आधे का आंकड़ा या 272 सीटें नहीं प्राप्त कर लेती, तब तक इस प्रतिष्ठित पद का दावा नहीं करेगी। जैसे हालात हैं, अगर कांग्रेस को 100 सीटें भी मिल जाएं, तो वह खुद को भाग्यशाली समझेगी। इस प्रकार, अनौपचारिक रूप से विपक्षी दलों को भरोसा है कि प्रधानमंत्री का पद किसी क्षेत्रीय नेता को मिलेगा, जो 30 से अधिक सीटें पाने और गैर-कांग्रेसी समूहों के बीच स्वीकार्यता हासिल करने की क्षमता रखता हो।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने विपक्ष की योजनाओं पर पानी फेर दिया। मोदी को हराने के लिए विपक्ष ने किसी विश्वसनीय लड़ाई या बाहरी मौके की उम्मीद खो दी। क्षेत्रीय दलों को उम्मीद थी कि राहुल और सोनिया गांधी सक्रिय होंगे, सुधारात्मक उपाय करेंगे और अधिकार की भावना छोड़ेंगे। जब उन्हें ऐसा कुछ नहीं दिखा, तो उन्होंने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी। बिहार में जो हुआ है, वह एक झलक मात्र है। यह आखिरी झटका नहीं है। 'इंडिया' गठबंधन में उद्धव ठाकरे से लेकर अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव से लेकर शरद पवार तक कई लोग समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अपनी-अपनी रणनीति बना रहे हैं।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

आज का इतिहास

- 1509–भारत में दीव (गोआ, दमन और दीव) के पास पुर्तग़ाल एवं तुर्की के बीच युद्ध हुआ।
- 1556–चीन के शैन्सी प्रांत में आये विनाशकारी भूकंप में करीब आठ लाख तीस हजार लोगों की मौत हुई।
- 1626–चार्ल्स प्रथम इंग्लैंड के सम्राट बने।
- 1814–कलकत्ता (अब कोलकाता) संग्रहालय की स्थापना हुई।
- 1862–शंभूनाथ पंडित कलकत्ता उच्च न्यायालय के पहले भारतीय न्यायाधीश बने।
- 1889–भारत की एक प्रख्यात गांधीवादी, स्वतंत्रता सेनानी और एक सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमारी अमृत कौर का जन्म।
- 1892–रशिया ने कैलिफ़ोर्निया में'फ़र ट्रेडिंग कॉलोनी'की स्थापना की।
- 1901–क्वीन विक्टोरिया का अंतिम संस्कार हुआ।
- 1913–न्यूयार्क में'ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल'की ओपनिंग हुई।
- 1915–भारत के प्रसिद्ध पत्रकार, लेखक, उपन्यासकार और इतिहासकार खुशवंत सिंह का जन्म।
- 1922–जेम्स जॉयस का लिखा उपन्यास'यूलिसिस'पहली बार प्रकाशित किया गया।
- 1939–हंगरी ने सोवियत संघ के साथ संबंध समाप्त किये।
- 1952–मद्रास में भारत ने पहला टेस्ट क्रिकेट जीता।
- 1953–अखिल भारतीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड का गठन किया गया।
- 1966–पाकिस्तान ने'कश्मीर समझौते'के लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया।
- 1969–स्वतंत्रता संग्रामी, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन के महान नेता और साहित्यकार खूबचंद बघेल का निधन।
- 1982–प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़िया का निधन।
- 1992–अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश एवं रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन द्वारा शीत युद्ध की समाप्ति की घोषणा।
- 1997–चीन तथा सं.रा. अमेरिका के बीच वस्त्र व्यापार विवाद को समाप्त करने हेतु समझौता।
- 1999–आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास।
- 2001–भारतीय नौसेना के सी किंग हेलिकाप्टरों के लिए अमेरिकी कलपुर्जों की बिक्री को अनुमति।
- 2002–अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के अपहरण काण्ड में पाकिस्तान के तीन व्यक्ति गिरफ्तार।

एक फरवरी 2024 पुण्यतिथि पर विशेष

पत्रकारिता के सत्य को खोजता फकीर सत्यनारायण श्रीवास्तव

■ महेश श्रीवास्तव

स्वर्गीय श्री सत्यनारायण श्रीवास्तव मध्यप्रदेश के परिवर्तन काल के प्रत्यक्षदर्शी पत्रकार थे। उन्होंने 1956 में मध्यप्रदेश को जन्म लेते देखा था और तब कि राजनीति एवं राजनेताओं को उनके वास्तविक स्वरूप में देखा तथा घटनाओं को निस्प्रह भाव से विश्लेषित किया। उनके पत्रकारिता जीवन में पत्रकारिता के सिद्धान्त, आदर्श और लक्ष्य भी परिवर्तित हो रहे थे। स्वतंत्रता के पूर्व का 'जो घर बारे आपनों' का शहीदी मनोभाव पत्रकारिता से विलुप्त होने की ओर ब? रहा था और पत्रकारिता घर बसाने का माध्यम बनता जा रहा था। पत्रकारिता में धन का प्रवेश बढ़ता जा रहा था और उस पर व्यवसायियों का नियंत्रण स्थापित होता जा रहा था। अद्भुत यह था कि पत्रकारिता के बदलते लक्ष्यों के बीच भी सत्यनारायण श्रीवास्तव का मन फकीरी में ही लगा रहा।

डॉ. शंकरदयाल शर्मा की पहल पर जब मालवीय नगर में पत्रकारों को नाम मात्र की कीमत पर बड़े और मूल्यवान प्लाट आवंटित किये गए तो अनेक पत्रकार प्लाट के मूल्य और मकान के निर्माण के लिये धन की व्यवस्था करने में सफल हो गए जबकि सत्यनारायण श्रीवास्तव अपने खादी के कुरते-पजामें में चप्पल चटकारते और निःस्वार्थ भाव तथा पत्रकारिता के आदर्शों के गीत गाते रह गये। जबकि उस समय कहा यह जाता था कि सत्यानारयण जी, जिन्हें अपनत्व से मित्र लोग 'सत्तू भैया' कह कर पुकारते थे, डॉ. शंकरदायाल शर्मा के अत्यंत विश्वासपात्र पत्रकार थे। यहां एक उदाहरण ही बताता है कि सत्तू भैया संबंधों को धन में रूपान्तरित करने की कला से या तो अनभिज्ञ थे अथवा कभी इस कलाकारी को उन्होंने अपने जीवन में प्रविष्ट नहीं होने दिया।

किन्तु ऐसा नहीं कि राजनेताओं से संबंधों को उन्होंने अपने लिए नहीं तो किसी के लिए भी लाभ नहीं उठाया। वे किसी भी पत्रकार और पत्रकार ही नहीं, किसी भी परिचित की समस्या सुलझाने किसी भी मंत्री के पास जा कर 'अड़ जाने' में संकोच नहीं करते थे। उस जमाने में श्री बलभद्र प्रसाद तिवारी नाम के बड़े खतरनाक पत्रकार माने जाते थे। खतरनाक इसलिए क्योंकि उनके साप्ताहिक अखबार में कब किसकी टोपी उछल जाये और कब कौन वस्त्रविहीन हो जाये, कहा नहीं जा सकता था। वे तलैया से इब्राहिमपुरा जाने वाले मार्ग पर एक छोटी सी जगह में रहते और छोटी सी प्रेस चलाते थे।

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री गोविन्द नारायण सिंह के जमाने में उनका जर्जर निवास अपनी अंतिम सांसे गिनने लगा, तो बात यह आई कि उनके लिये सरकारी आवास आवंटित करवाया जाय। तब दैनिक भास्कर के संपादक तो श्री गोवर्धनदास मेहता होते थे, किन्तु भास्कर में संपादक के सारे कार्य और इतर कार्य भी श्री श्यामसुन्दर ब्यौहार देखते थे । श्री ब्यौहार और सत्तू भैया नरसिंहपुर जिलें के ही थे, अतः बचपन के मित्र थे। श्री तिवारी श्री ब्यौहार का अक्सर सांध्यकालीन साथ देते थे, जिसमें कभी-कभी सत्तू मैया भी शामिल रहते थे। श्री ब्यौहार ने सत्तू भैया को मित्रवत् आदेश दिया कि उन्हें श्री तिवारी को मकान आवंटित करवाना है। सत्तू भैया असमंजस में पड़े। श्री गोविन्द नारायण सिंह से उनके संबंध तो प्रगाढ़ थे, किन्तु श्री बलभद्र तिवारी ने अपने साप्ताहिक में श्री गोविन्द नारायण सिंह के व्यक्तिगत जीवन को लेकर क्रमिक रूप से कटु आलोचना छापी थी। खैर सत्तू भैया ने अपने पत्रकार मित्र के लिये साहस जुटाया और उन्हें लेकर गोविन्द नारायण सिंह जी के पास पहुँच गये। कहते है गोविन्द नारायण सिंह जी ने कहा 'सत्तू' तुम जिसे लेकर आये हो उसने अपने अखबार में हमें खूब गालियां दी हैं, मगर तुम लाए हो और हम ठाकुर तथा यहां ब्राम्हाण है तो हम मकान अलाट कर देते हैं। पता नहीं सत्तू भैया ने श्री गोविन्द नारायण सिंह के इस अहसान का बदला कैसे चुकाया, मगर बलभद्र तिवारी पर उन्होंने अपना अहसान कभी नहीं जताया।

पत्रकारिता में सत्तू भैया मुझसे बहुत वरिष्ठ थे, किन्तु मुझ पर उनका स्नेह प्रगाढ़ था।

मैं पड़ता और अखबारों में नौकरी करता तथा छोड़ता रहा था। अतः प्रारंभ में टुकड़ों-टुकड़ों में उनसे भेंट होती रहती थी। फिर जब एम.ए. करने के बाद मैं पूर्णकालिक पत्रकार हो गया, तब उनसे प्रायः भेंट होने लगी। मैं नहीं जानता कि उनका मेरे प्रति अपार प्रेम क्यों था, किन्तु कई प्रमुख राजनेताओं से मेरा प्रथम परिचय उन्हीं के साथ हुआ था। जब गोविन्द नारायण सिंह मुख्य मंत्री बने तब मैं भास्कर छोड़ कर नये निकले अखबार 'मध्यप्रदेश' में चला गया था। वे प्रायः कहीं मिलने जाते तो मुझे फोन कर लेते और अक्सर मैं उनके साथ जाकर मंत्रियों से मिलता एवं उन सलीकों को सीखता, जिनके माध्यम से समाचारों को निकाला जाता था। गोविन्द नारायण सिहं जी से मेरा पहला परिचय उन्हीं के साथ हुआ था और उन दोनों में अनौपचारिक प्रगाढ़ संबंध देख कर मैं चकित था। गोविन्द नारायण सिंह जी कई बार मेरे सामने ही उनसे मजाक कर लेते और अपने व्यक्तिगत जीवन की बातें भी कर लेते। जब तक मैं मध्यप्रदेश में रहा दोपहर में अक्सर हमारी भेंट हमीदिया अस्पताल वाले चौराहे पर कौने की पान की दुकान पर हो जाती। वहां वे सिगरेट पीते और मैं पान खाता। इस भेंट के लिए प्रायः हम एक-दूसरे को फोन कर लेते थे।

सुविधाजनक इसलिए था, क्योंकि कायस्थपुरा से निकलने वाले मध्यप्रदेश एवं नूरमहल मार्ग से निकलने वाले दैनिक जागरण के मध्य में हमीदिया अस्पताल का चौराहा पड़ता था। यहाँ वे बातों-बातों में कई राजनीतिक जानकारियाँ दे देते। यह सिलसिला कुछ समय तक ही चला, उसके बाद मैं 'मध्यप्रदेश' छोड़ कर पुनः दैनिक भास्कर में चला गया और सत्तू भैया भी किन्हीं अज्ञात परेशानियों से घिरे हुए लगने लगे।

लम्बे अरसे बाद उनसे प्रतिदिन और लम्बी मुलाकात एवं बातचीत का अवसर मुझे तब मिला जब वे 1977 से 1979 के मध्य कुछ समय के लिये दैनिक भास्कर में राजनीतिक रिपोर्टर के रूप में आए। राजनीति और राजनीतिज्ञों के बारे में उनकी गहरी जानकारी और अपनी रिपोर्ट को संदर्भ सहित विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता को देखा। परोक्ष रूप से उनके द्वारा निकाले गए निष्कर्ष प्रायः भविष्य में प्रत्यक्ष रूप धारण करते और उनकी चुटीली एवं चमकदार उक्तियां पाठक को आनन्दित करती। शायद यह वह काल था जब वह व्यवसायिक पत्रकारिता के दबावों से विचलित रहने लगे थे। उन्होंने अपने राजनीतिक संपर्कों एवं संबंधों के माध्यम से न केवल अपने मित्रों को लाभ पहुँचाया बल्कि कई राजनीतिक घटनाओं को प्रभावित भी किया। साथ ही कई राजनेताओं को फर्श से अर्श तक पहुँचाने में भी सहयोग किया। तब यह तथ्य प्रचारित था कि दैनिक जागरण के मालिक और प्रधान संपादक श्री गुरुदेव गुप्त के संसद सदस्य बनने में सत्तू भैया की प्रमुख भूमिका थी। राजनीतिज्ञों ने उनके निःस्वार्थ स्वभाव और लापरवाह जीवन का दोहन तो किया किन्तु उनके वास्तविक जीवन के बारे में शायद कोई चिन्ता नहीं की।

पिछले दिनों जब भोपाल में मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन को ढहाया गया, तब मुझें उनके कहे हुए शब्द याद आए। उन्होंने कहा था ये बूढ़े हो रहे पत्रकार पत्थर पर अपना नाम खुदवा लेने के लिए पत्रकार भवन बनवा तो रहे हैं, मगर पत्रकारों की आने वाली पीढ़ी को देखते हुए एक दिन यह झगड़े की जड़ बनेगा। यादवी संघर्ष में पत्रकार भवन तो नष्ट होगा ही पत्रकारों की प्रतिष्ठा को भी ले डूबेगा। अन्ततः वही हुआ। मुझे अग्रज की तरह स्नेह करने और पत्रकारिता के अनेक गुर बताने वाले मेरे सत्तू भैया की स्मृति को प्रणाम।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

10-12 वर्षों में भी रहवासियों को सुविधा उपलब्ध नहीं कर सके कॉलोनाईजर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समस्या मूलक कॉलोनी की व्यथा, कालोनाइजर की हठ धर्मिता से रहवासी परेशान

नगर में कई प्रकार की कालोनियां बन रही है. और बहुत सी कॉलोनी बनकर तैयार भी हो गई है. लेकिन कुछ कॉलोनी ऐसी है जिन पर राजनेताओं का संरक्षण और अधिकारियों की सांठ गांठ इस कदर हावी है कि रहवासियों की आवाज कोई सुनने वाला ही नहीं है।

नर्मदा पुरम के आदमगढ़ नामक स्थान पर रविशंकर कॉलोनी को बने 10 -15 साल हो गए हैं लेकिन नागरिकों को अभी तक वहां पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं है. एक बार नहीं बल्कि कई बार अधिकारियों से नागरिकों ने इन समस्याओं को लेकर गुहार लगा चुके हैं. जनसुनवाई में भी कई बार आवेदन दे चुके हैं. परंतु जनसुनवाई में भी समस्याओं के निराकरण के लिए कोई प्रयास अधिकारी द्वारा नहीं किया जा रहे हैं। रवि शंकर नामक कॉलोनी में बगीचे के लिए कालोनाईजर ने जो

जगह छोड़ी थी उसे पर भी रहवासी प्लाट काट दिए गए और कई जगह तो मकान भी बन गए. नगर पालिका द्वारा इस कॉलोनी के बंधक रूप में जो प्लाट रखे गए थे उनको भी मुक्त कर दिया गया है इसमें नगर पालिका के अधिकारियों की भी अच्छी खासी मिली भगत नजर आती है. कॉलोनी के रहवासी देवी प्रसाद मैहर गरीबदास पाल विनोद उपाध्याय आदि ने बताया कि कॉलोनाइजर देवदत तिवारी द्वारा आज दिनांक तक कॉलोनी में सड़क बिजली पानी नाली आदि की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है. जो डीपी विद्युत के लिए लगी थी वह भी वह निकाल कर ले गए हैं. पीड़ित रहिवासियों ने बताया कि शासन प्रशासन से कई बार इस व्यवस्था को लेकर हम लोग शिकायत कर चुके हैं लेकिन आज दिनांक तक भी ना तो हमारी कॉलोनी में कोई मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हुई और ना ही कॉलोनाइजर को किसी प्रकार के निर्देश दिए गए. इससे लगता है कि कॉलोनाइजर ने शासन प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही राजनेताओं को भी अपने पक्ष में कर लिया है। 23 जनवरी मंगलवार को जनसुनवाई में कॉलोनी के निवासियों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन कलेक्टर को सौपा था लेकिन इस आवेदन को लेकर कार्रवाई होगी या ना होगी इसमें भी संशय है।

नगर पालिका के अधिकारी भी मामले में लिप्त बताए जाते हैं

आदमगढ़ स्थित रवि शंकर कॉलोनी का निर्माण कई साल पहले हो चुका था. जब किसी कॉलोनी का निर्माण होता है तो नगरी निकाय द्वारा उस कॉलोनी के कुछ प्लांट बंधक बना लिए जाते हैं. ताकि यदि कॉलोनाइजर कॉलोनी में मूलभूत समस्याएं उपलब्ध न कराए तो नगरी प्रशासन उन प्लाटों को बेचकर वहां पर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करा देता है. बताया जाता है कि रविशंकर कॉलोनी के भी कुछ प्लांट नगर पालिका ने बंधक बनाकर रख लिए थे.लेकिन अधिकारियों की भ्रष्ट कार्य प्रणाली से इन प्लाट को मुक्त कर दिया गया है।

जनसुनवाई में भी नहीं होती सुनवाई तो जनसुनवाई का औचित्य क्या है?

रवि शंकर कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि कॉलोनाइजर देवदत्त तिवारी द्वारा आज दिनांक तक कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई है जबकि कॉलोनी को बने 10 वर्ष से भी अधिक समय हो चुका है. कई बार आवेदन देने के बाद भी मामले पर कोई कार्रवाई नहीं किया जाना किसी आश्चर्य से काम नहीं है. कॉलोनी के कुछ निवासियों कहना है कि जिस व्यक्ति ने यह कालोनी नहीं बनाई है वह रसूख दार है और सत्ता दल के कई नेताओं से उसके संपर्क है. इन्हीं प्रभाव के चलते आज दिनांक तक कोरोनाईजर तिवारी पर ना तो शासन ने कोई कार्रवाई करने की कोशिश की और ना ही प्रशासन ने कोई अपने कर्तव्य का पालन किया।

कलेक्टर सोनिया मीना ने नर्मदापुरम नगर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

घाटों पर साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान दें

- नर्मदा जयंती की सभी तैयारियां समय सीमा में पूर्ण की जाएं।
- सिवरेज लाइन में सड़क रेस्टोरेशन का काम समय पर पूरा कराएं।
- रेन बसेरा में महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर ने बुधवार को नर्मदापुरम नगर का सघन भ्रमण किया। उनके द्वारा विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने नेहरू पार्क , बस स्टैंड एवं सेठानी घाट स्थित रैन बसेरे, सेठानी घाट और सिवरेज लाइन के कामों का निरीक्षण किया। साथ ही नर्मदा जयंती की तैयारियों का भी जायजा लिया। कलेक्टर सुश्री मीना सबसे पहले नेहरू पार्क पहुंची, उन्होंने यहां लाइब्रेरी एवं व्यायाम शाला का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने सीएमओ नर्मदापुरम को निर्देशित किय कि पार्क में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें एवं व्यायामशाला में पुरानी मशीनों को हटाकर नई मशीन स्थापित करने की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाए।

कलेक्टर सुश्री मीना ने बस स्टैंड स्थित रेन बसेरा में निरीक्षण के दौरान पलंग की चादरों को पलट कर देखा। उन्होंने गंदी चादरों को तुरंत बदलने के लिए सीएमओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया। साथ ही धुलाई की भी उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि रेन बसेरा के महिला कक्ष में महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएं। कक्ष में महिला प्रतिनिधि तैनात करें। साथ ही यहां बिजली, पानी, साफ सफाई एवं रोशनी आदि की व्यवस्था भी दुरुस्त रहें। जिससे की यहां रुकने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। इस दौरान सुश्री मीना ने रेन बसेरा में ठहरे हुए यात्रियों से भी रेन बसेरा मैं मिलने वाली व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। उन्होंने बस स्टैंड पर दीनदयाल रसोई का भी निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता देखी और दीनदयाल रसोई का बेहतर संचालन करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा सेठानी घाट का निरीक्षण किया गया। उन्होंने यहां संचलालित रेन बसेरा में भी व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने नर्मदा परिक्रमा वासियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने सेठानी घाट पर बोट से नर्मदा तट के सभी घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नर्मदा जयंती की सभी तैयारियां समयसीमा में पूर्ण कराएं। जिन घाटों पर सफाई व्यवस्था पुख्ता नहीं है वहां एक से ज्यादा शिफ्ट में सफाई कर्मचारी की तैनाती कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

इसके बाद कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा जुमेराती, राजा मोहल्ला क्षेत्र में पहुंचकर सीवरेज लाइन के कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पाइपलाइन डालने के बाद सड़क रेस्टोरेशन का कार्य तुरंत पूर्ण किया जाए जिससे कि आवागमन बाधित न हो एवं संबंधित क्षेत्र में रहने वाले रहवासियों को भी कोई असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि रहवासी इलाकों का सीमांकन कर अवैध अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही भी की जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीम आशीष पांडे, सीएमओ नर्मदापुरम नवनीत पांडे, सिटी मजिस्ट्रेट संपदा सराफ गुर्जर, तहसीलदार देवशंकर धुर्वे, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट राजेश जैन सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगवान शिव की नगरी तिलक सिंदूर में महाशिवरात्रि पर लगेगा मेला

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा के घने जंगलों में शिव ग्रंथो के आधार पर भगवान शंकर भस्मासुर को जब यह वरदान दे दिया था कि आप जिस पर भी हाथ रखोगे वह भस्म हो जाएगा तो भस्मासुर नामक राक्षस ने भगवान शंकर पर ही हाथ रखने के लिए पीछे पड़ गया था भस्मासुर से बचते हुए भगवान शंकर सतपुड़ा के जंगलों में भी रहना पड़ा। एक स्थान यहां भी है जो भगवान शिव का अति प्राचीन मंदिर तिलक सिंदूर के नाम से जाना जाता है जो सतपुड़ा के अतिरमणिक वादियों में स्थित है। जहां पर दूर-दूर से भगवान शंकर के दर्शन करने के लिए लोग आते हैं यहां तक की एक मुंबई के सुप्रसिद्ध फिल्म कलाकार का तो ऐसा लगाव देखा जाता है कि वह हर कभी भगवान के दर्शन करने आते हैं यहां पर शिवरात्रि के दिन जबरदस्त मेला लगता है।

मेंला महाशिवरात्रि पर सही ढंग से संपन्न हो और आने वाले भक्तों को परेशानियों का सामना न करना पड़े इस बात को लेकर एसडीएम कार्यालय के मीटिंग हॉल में चर्चा की गई। मंगलवार को मीटिंग में समिति के पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए । महाशिवरात्रि पर लगने वाले तिलकसिंदूर मेले में आने वाले भक्तों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। इसकी जिम्मेदारी समिति के अलावा कर्मचारियों को भी दी गई। समिति के सदस्यों की ओर से बैठक में तिलकसिंदूर में शौचालय, पानी की व्यवस्था समेत अन्य मुद्दे पर चर्चा की गई।

खटामा-अमाड़ा कच्चे मार्ग की मरम्मत की जाएगी

तिलकसिंदूर में महाशिवरात्रि पर मेला लगेगा। इसके पहले खटामा-अमाड़ा कच्चे मार्ग की मरम्मत होगी। इस दौरान जमानी से तिलक सिंदूर मंदिर मार्ग पहुंचने का रास्ता चिह्नित किया गया। श्रद्धालुओं को वापस लौटने का रास्ता तिलकसिंदूर से खटामा, अमाड़ा से तीखड़, मुख्य मार्ग बताया । पीडब्ल्यूडी को खटामा-अमाडा कच्चे मार्ग की मरम्मत करने को कहा गया है। आदिवासी जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग से यहां के भी पहाड़ी रास्तों के सुधार की मांग की।

पारंपरिक मेले की पूर्व तैयारियों पर मंगलवार को एसडीएम टी प्रतीक राव ने पुलिस, जनपद, महिला बाल विकास सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण ठीक से व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि मेले में आने-जाने वालों को परेशानी न हो।

बैठक में एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, तहसीलदार सुनीता साहनी, वन विभाग के डिप्टी रेंजर भगत सिंह उईके, पथरोटा पुलिस के कोमल खेड़ले, जनपद सदस्य सुनील नागले, सरपंच डोरीलाल चीचाम, सचिव ज्योति चिमानिया, पटवारी निखिल पटेल, ग्राम सभा अध्यक्ष सुनील चीचाम जनपद पंचायत सीईओ रंजीत ताराम, पथरोटा पुलिस के एसआई कोमल खेड़ले, नारायण बावरिया, बलदेव तेकाम, विनोद बारीबा, आकाश कुशराम सहित अन्य उपस्थित रहे।

नर्मदा कॉलेज के शोधार्थी 'वैश्विक जलवायु घड़ी संयोजन, प्रदर्शन' के सेमिनार में हुए सम्मिलित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मद कॉलेज के रसायन शास्त्र के शोधार्थियों ने शोध निदेशक डॉ ओ एन चौबे के निर्देशन में शासकीय माधव कॉलेज उज्जैन में ÷एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के तत्वावधान में वैश्विक जलवायु घड़ी संयोजन और प्रदर्शन÷ एक दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए। इस मिशन का उद्देश्य सामान्य जन के बीच जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता लाने और जलवायु घड़ी के माध्यम से जलवायु सुधार के लिए तत्काल कार्रवाई की भावना विकसित करना रहा। डॉ चौबे ने जानकारी दी कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन चुनौती बन गया है। जिससे दुनिया भर के लोग अनियमित मौसम पैटर्न और प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं ।ऐसे में जलवायु परिवर्तन के खतरों के आने में कितना वक्त बचा है यह जानने के लिए एक क्लाइमेट वॉच को लांच किया गया है। ताकि पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक और बदलते मौसम के खतरों से आगाह किया जा सके। कार्यशाला में कॉलेज को डिजिटल क्लॉक प्रदान की गई है जिसे कॉलेज परिसर में प्रदर्शन हेतु उपलब्ध किया गया है। ताकि विद्यार्थी पृथ्वी के बढ़ते हुए तापमान के बारे में चिंतन मनन कर उपाय और सुझाव दे सकें । डॉ एस के उदयपुरे के संयोजन में डॉ राजीव द्विवेदी, संध्या कटारे, दीपा राजपूत, मेघा पटवा, सोनाली आठनेरे, किशोरी लाल धुर्वे प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए।

12 वीं के छात्र-छात्राओं को विदाई,तनाव मुक्त होकर दें परीक्षा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10 वीं,12 वीं की बोर्ड परीक्षा 5 फरवरी से प्रारंभ हो रही है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाडा के कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं ने कक्षा 12वीं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को विदाई कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमे सभी छात्र-छात्राओं ने तिलक लगाकर स्वागत किया कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य राममोहन रघुवंशी, हरिप्रसाद परेवा, शैलेंद्र रामटेके द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पूजन अर्चन किया। इस दौरान 11वीं की छात्र-छात्राओं ने 12वीं के छात्र-छात्राओं को गिफ्ट स्वरूप पेन दिए प्राचार्य राम मोहन रघुवंशी ने सभी छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सफल होने की बधाई दी तथा छात्र-छात्राओं को बोर्ड के नियम एवं तनाव मुक्त होकर परीक्षा दें 29 जनवरी को प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम मैं बताया गया था कि परीक्षा में तनाव बिल्कुल भी नहीं रखें कार्यक्रम का संचालन सलोनी हरियाले द्वारा किया गया। सभी

12वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने अपने संस्मरण सुनाए कार्यक्रम का आभार संस्था के शिक्षक अखिलेश यादव द्वारा किया गया कार्यक्रम में राजेश देवडिया, शिव शंकर चौधरी, सबल सिंह सोलंकी, योगेंद्र मालवीय, रेशम लाल मेहता, आशीष यादव, श्रीमती सुनीता राजपूत एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर जानकारी मांगने पर आरटीओ कह रहे हैं नहीं दी जा सकती यह जानकारी

मकान किराए के नाम पर शासन को चूना लगा रहे सरकारी सेवक, वर्षों से कर रहे हैं अप-डाउन!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जो सरकारी कर्मचारी अपने कार्य स्थल पर रहते हैं उन्हें या तो सरकारी आवास आवंटित होता है या फिर निजी आवास को किराए पर लेने के लिए उन्हें वेतन के साथ आवास किराया दिया जाता है. लेकिन कई कर्मचारी शासन से आवास का किराया तो लेते हैं लेकिन ना तो वह सेवा मुख्यालय पर रहते हैं और ना ही कोई आवास किराए पर लेते हैं. बल्कि हर महीने शासन से वेतन के साथ किराए के नाम पर मिलने वाली राशि को डकार जाते हैं. ऐसा ही एक मामला क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय नर्मदापुरम में देखा जा रहा है. जहां सहायक ग्रेड ग्रुप में पदस्थ लिपिक शर्मा वर्षों से भोपाल से होशंगाबाद अप डाउन कर रहे हैं. और वेतन के साथ मुख्यालय पर रहने के लिए आवास किराए की राशि को प्राप्त कर रहे हैं। जब सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत इस कर्मचारी के मुख्यालय निवास संबंधी पता के लिए आवेदन दिया गया तो आरटीओ द्वारा अपने उत्तर में लिखित जवाब दिया गया कि यह जानकारी तीसरे पक्ष की है एवं धारा 8(1) के तहत प्रगटन योग्य नहीं है.आरटीओ कार्यालय द्वारा दिए गए इस उत्तर से एक बात तो स्पष्ट करती है या तो आरटीओ इस कर्मचारी का सपोर्ट कर रहे हैं या फिर उन्हें सूचना के अधिकार अधिनियम संबंधी नियमों का समुचित रूप से ज्ञान नहीं है. जब यह कर्मचारी शासकीय सेवा में रहते हुए मकान किराए के नाम पर सरकार से वेतन के साथ राशि प्राप्त करता है तो उस आवास के बारे में जानकारी देना वरिष्ट अधिकारी का दायित्व है।

इस मामले को लेकर आयुक्त परिवहन ग्वालियर से लिखित शिकायत की गई है. शिकायतकर्ता ने जानना चाहा कि क्या परिवहन विभाग के कर्मचारियों को जिला मुख्यालय पर रहने का निर्देश नहीं है. क्या परिवहन विभाग के कर्मचारी रोजाना अप डाउन कर सकते हैं. क्या नर्मदापुरम क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 शर्मा को भोपाल से होशंगाबाद अप डाउन करने की परमिशन विभाग द्वारा दी गई है. ऐसे कई प्रश्नों को लेकर आयुक्त परिवहन ग्वालियर को अवगत कराते हुए उनसे संबंधित पर कार्रवाई की मांग भी की गई है।

सिरोंज के सितारों का उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया सम्मान, नपा और शिक्षा विभाग ने मारी बाजी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद सिरोंज के सीएमओं राम प्रकाश साहू, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना, योजना शाखा की ज्योति दुबे, इंजीनियर रोहित सिंह तोमर ,कम्प्यूटर ऑपरेटर मयंक व्यास का एसडीएम हर्षल चैधरी ने सम्मान किया गया। जो कि निर्वाचन के समय उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर सम्मान प्राप्त हुआ है इस अवसर पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी।

शिक्षा विभाग में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षिका का सम्मान

शासकीय माध्यमिक शाला बेरखेडी में पदस्थ षिक्षिका श्रीमति फरहत उन निसा खान को कलेक्टर द्वारा उत्कृष्ट मास्टर ट्रेनर एंव छात्र उपस्थिति बढाने के लिए ढोल बजाकर जागरूकता व बच्चों की स्कूल में उपस्थिति के साथ षिक्षा का उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रषस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि शिक्षिका श्रीमति फरहत उन निसा खान भारत स्काउट गाइड जिले की बेस्ट गाइड टीचर है। वह समय समय षिक्षा के क्षेत्र में तरह तरह प्रयास कर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडनें का कार्य करती है। वही इनके सम्मान पर षिक्षा विभाग के कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

वरिष्ठ समाजसेवी वीरेन्द्र पालीवाल ने जंगल जाते समय गायों को खिलाए औषधि और गुड़ के लड्डू

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

इस समय क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इंसानों के साथ ही पशु भी मौसम की मार झेल रहे हैं। वही ग्राम पंचायत मुलगसराय में गौवंश को ठंड के प्रकोप से बचाने के लिए वरिष्ठ समाजसेवी गौ सेवक व भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र पालीवाल ने अपने साथियों के साथ औषधि और गुड़ मिलाकर लड्डू बनाकर जंगल जाते समय चैराहा पर गायों को लड्डू खिलाए। वही श्री पालीवाल ने कहा कि विचार करे इतनी सर्दी में क्या हाल होता होगा इन बेजुबानों का। हम तो अपने घरों की सुख सुविधा में अपने आप को सर्दी से बचा लेते हैं और ये बेजुबान अपने प्राण त्याग देते हैं ये भी हमारी जिम्मेदारी है। इनकी मदद और रक्षा करने में आगे आए। जो भी गो भक्त सहयोग करना चाहे वह स्वयं अपने घर के बाहर जो भी नंदी या गाय माता दिखे तो आप अपने हाथो से लड्डू बनाकर खिलाए। अगर

आपके घर के बाहर जो भी जीव सो रहा है उस पर अगर आप पुराने बोरा या कंबल उढा दे तो इस भारी सर्दी मे बड़ी राहत रहेगी। गुड़,अजवायन,बाजरे का आटा सौंठ, बोरी, कंबल दवाई आदि सामर्थ्य अनुसार गो माता की सेवा में सर्दी मे अपना योगदान दे। इस मौके पर रोजगार सहायक राजेन्द्र शर्मा, किशन सिंह, लीलाधर, पप्पू पाल, गोपाल आदि मौजूद रहें।

पालीवाल कॉलोनी के रहवासियों को गंदे पानी से राहत देने के लिए

नपा ने जेसीबी से नाली की खुदाई कर निकाला बदबूदार, गंदा पानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहरी क्षेत्र का सीवेज सिस्टम सही नहीं होने के कारण अधिकांश नाले नालिया चैंक पड़ी हुई है। वहीं लंबे समय से पालीवाल कॉलोनी को जाने वाली मुख्य सड़क पर गंदा पानी जमा रहता है यहां पर आने जाने वाले लोगों को साथ रहवासियों को गंदे पानी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था कई सालों से पानी जमा रहने के कारण कई तरह के जीव जंतुओं के साथ मच्छरों की भरमार होने के कारण बीमारी सभी लोग पीड़ित हो रहे हैं, साथ ही गंदा पानी कब्रिस्तान में भर रहा था इस मामले को नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू एवं नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ द्वारा संज्ञान आते ही मोके पर नपा एच ओ एवं सी एम ओ को फटकार लगाई एवं आगे ऐसा न होने की समजाइश दी । रहवसियों की शिकायतों के बाद नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, सीएम राम प्रकाश साहू ने मौके पर पहुंचकर नाले का जायज लेकर जेसीबी की सहायता से गंदे पानी को निकलवाने के लिए सफाई कर्मियों को भी लगाया जेसीबी से पानी निकालने के लिए रास्ता बनाया तब जाकर यहां पर कई सालों से जमे गंदे पानी को निकालने की व्यवस्था प्रारंभ हो पाई। इस गंदे पानी के कारण आसपास के रवासियों को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा इसके पास में ही कान्वेंट स्कूल संचालित होता है वहां पर पढ़ने वाले बच्चों को भी गंदे पानी के कारण परेशानी होती है। जिस समय सड़क का

निर्माण हुआ था उसी समय नाले का व्यवस्थित रूप से निर्माण नहीं कराया गया था। इस गंदे पानी को निकलवाने के लिए कई बार रह वासियों के द्वारा शिकायत भी की गई पर तत्कालीन अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया इस कारण समस्या जस की तस बनी हुई हुई थी अब जाकर यहां पर से पानी निकालने की व्यवस्था की गई है।

स्थाई हल नहीं निकला गया

जेसीबी से खुदाई करके गंदे पानी को तो निकाल दिया पर हमेशा के लिए गंदे पानी से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा कार्य नहीं किया गया जब तक नाले का पूर्ण रूप से निर्माण करके पानी निकालने के लिए सुचार व्यवस्था नहीं की जाएगी तब तक इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी।

शहर के बुरे हाल, नाले पड़े हैं चैक

शहरी क्षेत्र में पानी निकासी के लिए उचित इंतजाम नहीं होने के कारण जितने भी नाले नालियां है उनका निर्माण व्यवस्थित रूप से नहीं किया गया इस वजह से गंदे पानी के कारण सभी को परेशानी झेलनी पड़ती है। नगरीय क्षेत्र के अधिकांश नाले चैंक पड़े हुए हैं हिना गंदगी की भरमार देखने को मिल रही है। नालियों की हालत भी ठीक नहीं है। पिछले दिनों नगर पालिका परिषद के द्वारा विशेष सफाई अभियान के अंतर्गत कुछ नालियों की सफाई तो कर दी पर नालों की सफाई अभी नहीं हुई है कई नालियों को अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों ने बंद भी कर दिया गया है।

इनका कहना है

नगर पालिका परिषद के द्वारा एक तरफ से सभी नाले नालियों की सफाई कर कर अतिक्रमण धारियों से भी इनको मुक्त करवाना होगा।

***अमित मालवीय** नगर वासी।*

नगर को साफ स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लगातार सफाई अभियान चला रहे हैं। नाले नालियों को भी साफ करवा रहे हैं जिन लोगों ने इनको बंद कर दिया है उन पर भी कार्रवाई कर रहे हैं।

***राम प्रकाश साहू**, सीएमओ*

यातायात पुलिस ने चलाया वाहन चैकिंग अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

यातायात पुलिस के द्वारा यातायात की समस्या को दूर करने के लिए तो कमद नहीं उठाया जा रहा है। वाहन चालकों पर जरूर चालानी कार्रवाई करने के लिए लगातार चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर के मुख्य मार्ग छतरी चौराह , बासौदा नाके पर वाहन चेकिंग अभियान चलाते हुए दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने वाले ,बगैर हेलमेट, बीमा, दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहन चालकों पर चलानी कार्रवाई की गई। पुलिस कर्मियों ने चैराहों पर खड़े होकर वाहनों को रोककर जांच पड़ताल जिसकी जानकारी लगते ही अधिकांश दो पहिया वाहन चालक रास्ता बदलकर जाते हुए नजर आए। यातायात पुलिस कर्मियों के द्वारा चालानी कार्रवाई भी की गई वहीं वाहन चालकों को यातायात विभाग का नियमों पालन करने की हिदायत भी दी गई। वैसे भी पिछले कई दिनों से यातायात पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी कई वाहन चालकों के द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टर वसीम बने भारतीय मानवाधिकार संघठन के जिला अध्यक्ष

सिरोंज। मानवाधिकार संघठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरव बेरा ने मो, वसीम खान को दुबारा जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके बाद समर्थकों में हर्ष का माहौल दौड़ गया है। फूलमाला और मिठाई खिलाकर इनका स्वागत किया गया है। वहीं खांन ने पिछले एक साल से जिला अध्यक्ष पद पर कार्य कर रहे थे,। इन्हें ने संगठन के प्रति सक्रिय पर काम काम किया है इसके फल स्वरुप इनको एक बार फिर से इसी जिम्मेदारी से नवाजा गया है।

करंट लगने से युवक कल्लू की मौत

सिरोंज। बुधवार को ग्राम सकलौन में रहने वाले कल्लू यादव की बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई है। खेत पर पानी देते समय बिजली की तार डालने के लिए गए हुआ था तभी इतना तेज करंट लगा की वहां जमीन में धस गया था परिजनों ने पहुंच कर देखा तो बेहोश हालत में पड़ा हुआ था इसके बाद उसको अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया जहां पर डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। क्योंकि युवक की मौत करंट की चपेट में आने से हुई है। लगातार करंट लगने से मृत्यु होने के मामले सामने आ रहे हैं। इसके बाद भी अवस्थित रूप से बिजली लाइनों को ठीक नहीं किया जा रहा है।

शाला बडखेड़ा घोसी में अनियमितताएं समय से पहले बंद हो जाता है विद्यालय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एक ओर शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाने के लिए शासन से प्रशासनिक स्तर तक तमाम प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन शिक्षकों के काम करने के रवैया में सुधार नहीं दिख रहा है। शिक्षक अवकाश ही मना रहे हैं। लटेरी तहसील की ग्राम पंचायत बरखेड़ा घोसी की शासकीय माध्यमिक शाला बरखेड़ा घोसी का बुरा हाल है। कार्यरत शिक्षक ज्यादातर विद्यालय से गायब रहते हैं। स्कूल समय से नहीं खोले जाते और न ही समय से बंद किए जाते हैं। इच्छा के अनुसार समय निर्धारित कर लिया है। जब हमारी टीम जमीनी हकीकत जानने बरखेड़ा घोसी पहुंची तो स्कूल समय से पहले बंद मिला, विद्यालय में तीन अतिथि शिक्षक का स्टाफ है मगर 2 शिक्षक गायब मिले । समय 3:30 बजे ही स्कूल बंद कर दिया गया।

मीडिया टीम को देख स्कूल की तरफ दौड़े शिक्षक

शाला में पदस्थ शिक्षक ने जब मीडिया टीम को स्कूल की तरफ जाता देखा तो पीछे आ गए जब तक शिक्षक आते तब तक मीडिया ने बंद शाला के फोटो खींच लिए थे जब उपस्थित शिक्षक से उपस्थिति पंजी रजिस्टर मांगा गया तो चाबी ना होने का बहाना बनाने लगे इससे साफ जाहिर होता है कि कुछ तो गड़बड़ है। शाला प्रभारी की मिली भगत से अतिथि शिक्षकों का वेतन बनाया जा रहा है, जबकि अतिथि शिक्षक शाला कम समय ही उपस्थित रहते हैं। जब शाला प्रभारी चैके सिंह से इस संबंध में बात की तो उन्होंने बताया कि अतिथि शिक्षकों को आज घर पर काम था इसलिए नहीं आए आज का उनका वेतन नहीं बनेगा।

इनका कहना है

थोड़ी देर में आपसे बात करता हूं उसके बाद इन्होने फोन नही उठाया।

जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा

बिलकुल ऐसा है तो ये अनियमितता है नोटिस जारी किया जाएगा कार्यवाही की जाएगी और पूछा जायेगा ऐसा क्यों किया गया।

***वीरेंद्र बघेल,** ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लटेरी*

पत्रकार महासंघ की बैठक आयोजित, नसीम खान एंव सलमान खान का किया सम्मान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज पत्रकार महासंघ की बैठक का आयोजन पत्रकार भवन में किया गया। इस अवसर पर बैठक में वरिष्ठ पत्रकार नसीम खान, वरिष्ठ पत्रकार सलमान खान का सम्मान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष राजीव जैन ने कहा कि हम बडें गौरांवित है कि हमारे संघ के वरिष्ठ पत्रकार एंव संघ के लिए समर्पित रहने वाले एंव पत्रकारों के हित में हमेंषा कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकार नसीम खान एंव सलमान खान का सम्मान करने में हमें बडा गर्व महषूस हो रहा है। इस अवसर पर संघ के सभी सदस्यों नें वरिष्ठ पत्रकारों का पगडी बांधकर व शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नसीम खान ने कहा कि में अभिभूत हूं कि मेरा सम्मान किया गया है। में सदैव संगठन को समर्पित और संघ व पत्रकारों के हितो की रक्षा के लिए जो भी कार्य करने के लिए सदैव तय पर रहूंगा। वही वरिष्ठ पत्रकार सलमान खान ने संघ के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि पत्रकार संगठित रहेगें तो पत्रकारिता के चैथे स्तंभ की ताकत बढेगी। हम हमेषा पत्रकारों के हितो की लड़ाई सदैव लड़तें रहेगें।

संघ करेगा रचनात्मक कार्य

इस दौरान बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर के हित में जैसे कि निषुल्क स्वास्थ्य प्रषिक्षण षिविर,राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संघ की भागीदारी में हिस्सा लिया जाएगा और गरीब बस्तियों में जहां शासन की योंजनाओं का लाभ नही पहुच रहा वहा पर गरीब व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। साथ ही पुनः संघ का सदस्यता अभियान प्रारंभ कर उनके परिचय पत्रों को भी बनाया जाएगा। वही बैठक में एक विषेष निर्णय लिया गया कि प्रत्येक तीन माह में वरिष्ठ प्रषासनिक अधिकारी एंव जनप्रतिनिधिओं की पत्रकार वार्ता आयोजित की जाएगी। जिसमें शहर की समस्याओं व विकास के बारे चर्चा होगी। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र रघुवंषी, जफर उल्लाह खान, सलमान अमीन, अब्दुल अलीम, रजी खान, जुनेद खान, इरफान मंसूरी, षेखू खान, कासिम खान, तरबेज आलम, षकील मंसूरी, सुनील नगीना, नदीम खान, महफूज खान, आमिर माविया, अंकेष कुर्मी, मुस्तकीन खान, चेतन आदि पत्रकार मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | गिलहरी अभियान फाउंडेशन का एक छोटा सा प्रयास

प्रभात फेरी निकाल श्रद्धालुओं को बांटा गंगा जल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गिलहरी अभियान एक छोटा सा प्रयास फाउंडेशन सुभाष नगर के द्वारा नगर के अनेको वार्डो में प्रभात फेरी के माध्यम से श्रद्धालुओं को गंगा जल बांटा गया। भारत की संस्कृति है गंगा मात्र नदी ही नहीं, एक संस्कृति है क्योंकि भारत की संस्कृति नदियों के किनारे ही विकसित हुई। गंगा नदी

भारतवासियों के विचार, व्यवहार, धर्म-कर्म और परंपरा में हमेशा प्रवाहित होती रहती है। गंगा का प्रवाह वह जीवनधारा है, जो सदा बहने यानि जीवन में कर्म करते रहने, परोपकार और पवित्रता की भावना पैदा करती है। धार्मिक दृष्टि से गंगा कामनाओं को पूर्ण करने वाली, पापों को हरने वाली, मंगलकरणी, सुख, समृद्धि, शांति देने वाली मानी गई है। पवित्र गंगा उत्तराखण्ड के गंगोत्री में गोमुख से निकलकर देवप्रयाग, ऋषिकेश, हरिद्वार, वाराणसी, प्रयाग और अंत में गंगासागर में मिल जाती है। गंगा के प्रसिद्ध आस्था रखने वाले श्रद्धालु पवित्र गंगाजल को अपने साथ लेकर अनेक धार्मिक कार्यों में इस जल का उपयोग करते हैं। इस दौरान प्रभातफेरी में प्रमुख रूप से विक्रम सिंह,देवेंद्र चैहान,अशोक वाणी, पंकज पलिया द्वारा जगह-जगह वार्डो में गंगा जल बांटा गया।

इनके प्रयास से हो रहें सामाजिक कार्य

गिलहरी अभियान एक छोटा सा प्रयास फाउंडेशन की चैयरमैन श्रीमति श्वेता त्यागी एंव आंनद त्यागी के सार्थक प्रयासो के कारण शहर में विभिन्न सामाजिक कार्यो को किया जा रहा है। जिसमें समिति द्वारा केडीबीएम स्कूल व कॉलेज में गरीब,निरधन बच्चों की निषुल्क पढाई व निषुल्क रूप से पहनने के लिए कपडे पुस्तकें आदि दी जाती है। इसी तरह गरीब बस्तियों में समय समय पर सर्दियों में गरीब महिलाओं को स्कूल में बुलाकर गर्म कंबल के साथ साडियों का वितरण कर महिलाओं का सम्मान किया जाता है। उन महिलाओं का सम्मान होता है जो आर्थिक रूप से कमजोर के साथ समाज की मुखधारा से दूर रहती है। समय समय पर शहर के मुख्य स्थानो पर स्वच्छता और सौदर्यकरण के लिए प्रयास किए जाते है। सफाई और सौदर्यकरण के लिए ऐसे स्थानों को चुना जाता है जहां शासकीय योजनाए काम नही कर पाती वहा संस्था अपना कार्य करती है। समिति की चैयरमैन श्रीमति श्वेता आंनद त्यागी महिला विंग भाजपा की वरिष्ठ पदाधिकारी है। श्रीमति त्यागी समिति के सामाजिक कार्यो के साथ गांव व शहर में देष के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेष सरकार की योजनाओं की जानकारी भी गांव-गांव में चैपाल लगाकर दे रही है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सालाना पुरस्कारों का ऐलान किया

मेलबर्न, एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एनुअल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया है। यहां मेलबर्न के क्राउन कैसीनो में एक समारोह में ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ऑलराउंडर मिचेल मार्श को एलन बॉर्डर मेडल मिला, जबकि एश्ले गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड से नवाजा किया। ये दोनों ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे बड़े अवॉर्ड हैं, जो अंपायर्स, खिलाड़ियों और मीडिया की वोटिंग के आधार पर दिए जाते हैं। ब्लू कलर में एलन बॉर्डर मेडल और डार्क में बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड। ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने एलन बॉर्डर मेडल के लिए सबसे ज्यादा 223 वोट मिले। उन्होंने इस मेडल की रेस में कप्तान पैट कमिंस को 79 वोट से पीछे छोड़ा। कंगारू टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान कमिंस को 144 वोट मिले। इन दोनों के अलावा, बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के खाते में 141 वोट आए। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क चौथे स्थान पर रहे। उन्हें 135 वोट मिले। इस सूची में ट्रेविस हेड (134 वोट) 5वें नंबर पर रहे। महिलाओं के सबसे बड़े अवॉर्ड बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड के लिए ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को 147 वोट मिले, जबकि दूसरे स्थान पर रही एलिसे पेरी को 134 और तीसरे स्थान पर रही एनाबेल सदरलैंड को 106 वोट मिले।

मार्श को एलन बॉर्डर मेडल, गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड

मार्श ने पिछले साल 1,584 रन बनाए

मिचेल मार्श ने पिछले साल सभी फॉर्मेट में 1,584 रन बनाए। उन्होंने बीते साल 5 टेस्ट में 67.50 की औसत से 540 रन बनाए। इनमें 1 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में मार्श ने 4 विकेट लिए। मार्श ने 2023 में 20 वनडे में 47.66 की औसत और 113.94 की स्ट्राइक रेट से 858 रन बनाए। इसमें 2 शतक और 5 अर्धशतक शामिल रहे। उन्होंने 3 टी-20 इंटरनेशनल में कुल 186 रन स्कोर किए।

गार्डनर ने झटके 50 से ज्यादा विकेट

26 साल की ऑलराउंडर गार्डनर ने पिछले साल 2 टेस्ट में कुल 17 विकेट लिए। 13 वनडे मैचों में उन्हें 24 विकेट मिले। बल्लेबाजी में उन्होंने 188 रन बनाए। 14 टी-20 इंटरनेशनल में गार्डनर ने 7.33 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए थे। बल्लेबाजी में उन्होंने 234 रन बनाए थे।

दूसरा टेस्ट कल से : सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से आगे

विशाखापट्टनम में स्पिनर्स ज्यादा हावी, टीम इंडिया उतरेगी 3 स्पिनर्स के साथ

नईदिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया नए प्लेइंग-11 के साथ उतरेगी। टीम के बैटर केएल राहुल और लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट की वजह से दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। मैच में सरफराज खान या रजत पाटीदार को मौका मिल सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि दोनों को डेब्यू का मौका मिल जाए, लेकिन ऐसा दो सिनेरियो में ही संभव है। पाटीदार ने वनडे डेब्यू कर लिया है, लेकिन सरफराज को अब तक किसी फॉर्मेट में मौका नहीं मिला है। पाटीदार को विराट कोहली की जगह टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था। पूर्व कप्तान कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं सरफराज को इंजर्ड राहुल की जगह टीम में चुना गया। भारत-इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापट्टनम के डॉ. वायएस राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से आगे है। इंग्लिश टीम ने पहले मैच में टीम इंडिया को 28 रन से हरा दिया था।

दो फास्ट बॉलर खेले, पाटीदार या सरफराज में किसी एक को मौका

पहले टेस्ट की तरह दूसरे टेस्ट में भी टीम 6 बैटर, 3 स्पिनर्स और 2 पेसर्स के साथ भी जा सकती है। जडेजा की जगह कुलदीप का खेलना लगभग कन्फर्म है क्योंकि वह ही स्पिन कंडीशन में टीम के तीसरे बेस्ट स्पिनर हैं। उनके साथ अश्विन और अक्षर स्पिनर रहेंगे, वहीं पेसर्स में बुमराह और सिराज ही खेलेंगे। इस कंडीशन में राहुल की जगह पाटीदार या सरफराज में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। पाटीदार स्क्वॉड में पहले टेस्ट से हैं, सरफराज दूसरे टेस्ट में शामिल किए गए।

शुभमन-श्रेयस बाहर, पाटीदार-सरफराज का डेब्यू

टीम इंडिया आउट ऑफ फॉर्म चल रहे टॉप ऑर्डर बैटर शुभमन गिल को भी दूसरे टेस्ट से बाहर कर सकती है। श्रेयस अय्यर का फॉर्म भी कुछ खास नहीं है, ऐसे में इनमें से किसी एक को भी अगर विशाखापट्टनम में बाहर बैठाया गया तो पाटीदार और सरफराज दोनों को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है। ऐसे में भी टीम 6 बैटर, 3 स्पिनर्स और 2 पेसर्स के साथ फील्ड पर उतरेगी। गिल पिछली 11 पारियों से हाफ सेंचुरी भी नहीं लगा सके। उन्होंने 9 मार्च, 2023 को अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी बार 128 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद सेंचुरी तो छोड़िए, एक हाफ सेंचुरी तक नहीं आई। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 36 रहा, जो उन्होंने इसी साल 3 जनवरी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। दूसरी ओर श्रेयस ने भी 12 पारी पहले ही हाफ सेंचुरी लगाई थी। इस बीच 35 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने आखिरी फिफ्टी बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2022 में लगाई थी।

एक फास्ट बॉलर खेले, रजत-सरफराज को मौका

टीम इंडिया के दो खिलाड़ी चोट की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पिछले मैच की प्लेइंग-11 के 9 खिलाड़ी फिट हैं। ऐसे में टीम इंडिया दूसरे मैच में 7 बैटर्स, 3 स्पिनर्स और एक फास्ट बॉलर के कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है। इस स्थिति में रजत और सरफराज दोनों को डेब्यू का मौका मिल सकता है। दूसरा टेस्ट विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। जहां स्पिनर्स ज्यादा हावी रहते हैं, ऐसे में टीम किसी एक पेसर और 3 स्पिनर्स के साथ भी उतर सकती है। वहीं मोहम्मद सिराज को बाहर बैठाकर सिर्फ जसप्रीत बुमराह और 3 स्पिनर्स को मौका दिया जा सकता है। जडेजा की कुलदीप यादव खेल सकते हैं, जबकि बाकी 2 स्पिनर्स रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल रहेंगे। सिराज को हैदराबाद टेस्ट में ज्यादा बॉलिंग का मौका नहीं मिला, ऐसे में टीम उन्हें बाहर बैठा सकती है। सिराज 2 पारियों में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। इंग्लैंड के इकलौते फास्ट बॉलर मार्क वुड भी कुछ खास नहीं कर सके थे। ऐसे में दूसरे टेस्ट में 2 पेसर्स को खिलाने का कोई फायदा नजर नहीं आता।

नैशनल चैंपियनशिप शूटिंगबाल

भोपाल। 42वीं नैशनल चैंपियनशिप शूटिंगबाल लातूर महाराष्ट्र में आयोजित की गई । जिसमें मध्यप्रदेश की टीम ने महाराष्ट्र की टीम को फाइनल मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। हीरो ऑफ द टूर्नामेंट अनन्या लोनिश वा मेन ऑफ मैच विक्रम अवॉर्डी से सम्मानित खिलाड़ी हेमलता रही।

कोलंबो टेस्ट के लिए श्रीलंका ने अनकैप्ड प्लेयर चुने

धनंजय डी सिल्वा संभालेंगे कमान; मुकाबला 2 फरवरी से

कोलंबो, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए श्रीलंका ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में 3 अनकैप्ड को मौका मिला। पथुम निसांका बाहर हुए, वहीं धनंजय डी सिल्वा बतौर कप्तान अपना पहला मैच खेलेंगे। कोलंबो में मुकाबला 2 फरवरी से शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच यह इतिहास का पहला ही टेस्ट मैच रहेगा। इससे पहले अफगानिस्तान ने भी अपनी टीम का ऐलान कर दिया था। श्रीलंका ने टीम में 3 अनकैप्ड प्लेयर्स को चुना। इनमें विकेटकीपर बैटर लहिरू उदारा, तेज गेंदबाज चमिका गुनासेकरा और मिलन रत्नायके शामिल हैं। उदारा टी-20 और गुनासेकरा वनडे डेब्यू कर चुके हैं, जबकि रत्नायके ने अब तक किसी भी फॉर्मेट में इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया। अफगानिस्तान ने भी टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया था।

निसांका समेत 3 प्लेयर्स बाहर

सिलेक्शन कमेटी ने अनुभवी बैटर पथुम निसांका को स्क्वॉड में जगह नहीं दी। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में स्क्वॉड का हिस्सा थे। उस सीरीज का हिस्सा रहे लक्षिथ मानसिंघे और प्रविण जयविक्रमा भी टीम से बाहर कर दिए गए। पाकिस्तान के खिलाफ निसांका घरेलू क्रिकेट में अच्छा परफॉर्म करने के बावजूद एक भी टेस्ट नहीं खेल सके थे। पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करने वाले लेफ्ट आर्म पेसर दिलशान मदुशंका भी स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं।

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

अब आप एक ही सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म से फूड आइटम्स, पर्सनल लोन, बीमा व म्यूचुअल फंड ले सकेंगे। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) कुछ हफ्तों में फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में उतरेगा। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। कुछ ही दिन पहले इस प्लेटफॉर्म पर पर्सनल लोन के लिए ट्रांजैक्शंस की सफल टेस्टिंग हुई है। अब नया प्लान ऐसे समय आया है, जब रिटेल सेक्टर में इसका रोजाना ट्रांजैक्शन 1 लाख करोड़ से ऊपर निकल गया है। अब

फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लॉन्च कर रहा सरकार का डिजिटल प्लेटफॉर्म

ओएनडीसी में जीएसटी इनवॉइस पर आधारित फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें जल्द लॉन्च किया जाएगा। आदित्य बिड़ला, टाटा कैपिटल, केनरा बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व और बजाज आलियांज जैसी कई फिनसर्व कंपनियां इस नेटवर्क से जुड़ने जा रही हैं। लोन देने के लिए ओएनडीसी से जुड़ने में ईजीपे, पेनियरबाय, रैपिडोर और टाटा डिजिटल समेत 85 एप ने दिलचस्पी दिखाई है। इनमें से 7 ने इस सर्विस के लिए चलाए गए पायलट फेज में हिस्सा भी लिया। डीएमआई फाइनेंस, आदित्य बिड़ला फाइनेंस और कर्नाटका बैंक इनमें शामिल है। ओएनडीसी 6-8 हफ्तों में मोटर और हेल्थ जैसे इंश्योरेंस लॉन्च करेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले शुरुआती एप्स में इंश्योरेंसदेखो, पॉलिसीबाजार और क्लिनिक शामिल हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सबसे पहले आदित्य बि?ला हेल्थ, बजाज आलियांज और कोटक जनरल लाइव हो सकते हैं।

'पहला प्रोडक्ट सैशे म्यूचुअल फंड (100 रुपए से कम के) होगा।' अभी देश में छोटे निवेशकों के लिए सिर्फ एफडी और चिट फंड्स उपलब्ध हैं। बाद के चरण में इस प्लेटफॉर्म पर सभी तरह के म्यूचुअल फंड उपलब्ध कराए जाएंगे। ये एक सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। जो सेलर और बायर यानी ग्राहक दोनों को एक-दूसरे से डायरेक्ट मिलाता है।

रेंज रोवर इवोक फेसलिफ्ट 67.90 लाख में लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज को रेंज रोवर पोर्टफोलियो में एंट्री-लेवल रेंज रोवर इवोक का 2024 एडिशन लॉन्च किया है। कंपनी ने फेसलिफ्टेड रेंज रोवर इवोक को कॉस्मेटिक अपडेट के साथ 67.90 लाख रुपए की कीमत में पेश किया है।

इसमें सॉफ्टवेयर के साथ नया टच स्क्रीन दिया गया है। नई रेंज रोवर इवोक 2 इंजन ऑप्शन के साथ डायनेमिक स्श्र ट्रिम में अवेलेबल है। कंपनी ने लग्जरी स्ड्ढ के सिग्नेचर डिजाइन को बरकरार रखते हुए एक्सटीरियर और इंटीरियर में चेंजेस किए हैं। इवोक का भारत में ऑडी त्तछ, मर्सिडीज-बेंज, वोल्वो एक्स सी 60 से है। नई रेंज रोवर इवोक में अब एक न्यू डिजाइन ग्रिल, सिग्नेचर के साथ सुपर स्लिम हेडलैंप, 19 इंच के 10 स्पोक डायमंड-कट अलॉय व्हील, एक कूप जैसी फ्लोटिंग रूफ और रेड ब्रेक कैलीपर्स दिए गए हैं। नई इवोक में 2 नए एक्सटीरियर कलर ऑप्शन- कोरिंथियन ब्रॉन्ज और ट्रिबेका ब्लू मिलते हैं। नई रेंज रोवर इवोक के इंटीरियर में वायरलेस ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 11.4 इंच का कर्व्ड ग्लास टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग, एक केबिन एयर प्यूरीफायर, एक पैनोरमिक सनरूफ, एडवांस्ड कैमरा सिस्टम के साथ सराउंड व्यू, क्लियरसाइट ग्राउंड व्यू और रियरव्यू मिरर दिया गया है। इसके अलावा, नया सेंटर कंसोल के साथ एक शैडो ऐश-ग्रे फिनिशर मिलता है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

प्रीति सनी देओल के साथ फिल्म 'लाहौर 1947' से करेंगी कमबैक!

अभिनेत्री प्रीति जिंटा बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं। उन्होंने कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, कोई मिल गया, सलाम नमस्ते, वीर जारा समेत कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई थी। प्रीति अब अमेरिका में सेटल हो चुकी हैं जहां वह पति जीन गुडइनफ और दो बच्चों के साथ रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रीति सनी देओल स्टारर फिल्म लाहौर 1947 से कमबैक कर सकती हैं।

हाल ही में उन्हें इस फिल्म के लुक टेस्ट के लिए मुंबई के एक स्टूडियो में भी देखा गया था। प्रीति आखिरी बार भैयाजी सुपरहिट में नजर आई थीं। ये फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में काम करना बंद कर दिया, क्योंकि वो क्रिकेट वर्ल्ड से जुड़ चुकी थीं।

13 साल की उम्र में पिता को खो चुकी हैं प्रीति

प्रीति का जन्म 31 जनवरी, 1975 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में हुआ था। उनके माता-पिता का नाम दुर्गानंद जिंटा और नीलप्रभा है। प्रीति के पापा इंडियन आर्मी में ऑफिसर थे। जब प्रीति 13 साल की थीं तभी उनके पिता की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। इस एक्सीडेंट में उनकी मां को भी गंभीर चोटें आई थीं जिसके कारण वह दो साल तक बिस्तर पर थीं। काफी इलाज के बाद उनकी स्थिति में सुधार हो सका। इस हादसे का प्रीति की लाइफ पर भी गहरा असर प?ा था। उन्हें इससे उबरने में काफी वक्त लगा था।

'सोल्जर' ने दिलाई कामयाबी

'सोल्जर' 1998 में रिलीज हुई एक हिट फिल्म थी। इसे अब्बास-मस्तान ने डायरेक्ट किया था। फिल्म के लीड रोल में बॉबी देओल और प्रीति नजर आए थे। प्रीति ने सोल्जर के 24 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर लिखा था - सोल्जर मेरी पहली साइन की गई फिल्म थी। मुझे कन्फ्यूजन थी कि मैं एक ही नाम के दो डायरेक्टर्स से साथ काम करने जा रही हूं। अब्बास और मस्तान भाई का शुक्रिया कि उन्होंने मुझे कभी भी डाउन नहीं फील होने दिया। रमेश जी का भी बहुत शुक्रिया करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे उस बात के लिए कभी नहीं सुनाया जब मैं क्लाइमैक्स शूट होने के पहले एक सप्ताह की छुट्टी लेकर अपना साइकोलॉजी का एग्जाम देने चली गई थी। अब हाल ही में मीडिया में खबरें आई हैं कि प्रीति फिल्मों में छह साल बाद वापसी कर सकती हैं।

अपने पुराने और नए रिश्ते को लेकर चर्चा में थीं ईशा मालवीय

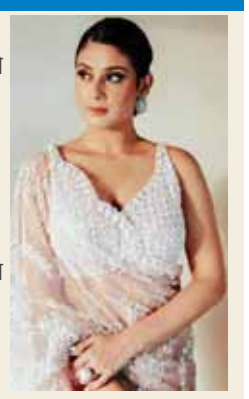

बिग बॉस-17 की कंटेस्टेंट रहीं ईशा मालवीय टॉप 5 में आने से पहले घर से बाहर हो गई थीं। अब हाल ही में ईशा ने एक पॉडकास्ट में बिग बॉस के घर को लेकर खुलासा किया है। उनका कहना है कि बिग बॉस के बाथरुम में माइक लगा होता है। दरअसल ईशा भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में आई थीं। भारती ईशा से पूछती है कि शो में सलमान खान सर आपको इतना डांटते थे, तो आपको फर्क कैसे नहीं पड़ता था? इसपर ईशा हंसने लगती हैं। उन्होंने कहा- जब पहली बार सलमान से डांट पड़ी थी, तो मुझे बहुत फर्क पड़ा था। मुझे लगा मैं कहां आ गई हूं। मैं घर जाना चाहती थी। मैं बाथरूम में जाकर बहुत रोई थी। लेकिन मैं माइक ले जाना भूल गई थी। भारती सिंह ने ईशा से पूछा कि माइक लगाकर बाथरूम जाना पड़ता है? ईशा ने बताया कि नहीं ऐसा जरुरी नहीं है, कि आप माइक लगाकर ही जाएं। लेकिन कई लोग भूल से पहनकर चले भी जाते थे। उन्होंने कहा- वैसे बिग बॉस के घर में जो बाथरूम हैं, उनमें माइक लगे हुए हैं। बाथरुम की छत पर एक छोटा सा माइक लगाया गया है। जब कोई बाथरूम में रोता है, या कुछ कहता है। वो सारी चीजें माइक में रिकॉर्ड होती हैं। माइक की बात सुनकर भारती और हर्ष चौंक जाते हैं। बिग बॉस के घर में ईशा अपने पुराने और नए रिश्ते को लेकर ज्यादातर समय उलझी रहती थीं। दरअसल, शो में पहले से ईशा के एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार मौजूद थे। कुछ एपिसोड के बाद शो में उनके करंट बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल की एंट्री हुई थी। समर्थ से अपने रिश्ते को ईशा छिपाकर रखना चाहती थीं। लेकिन समर्थ आते ही सभी के सामने अपने रिश्ते के बारे में बता देते हैं। रिश्तों में उलझी ईशा को वीकेंड के वार पर सलमान से कई बार डांट खानी पड़ी थी।

शाहिद कपूर बोले- एक एक्टर के लिए क्रिएटिव होना बहुत मायने रखता है...

शाहिद कपूर जल्द ही फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने अपनी डेब्यू फिल्म को याद करके बताया कि उन्हें चॉकलेट बॉय का टैग कभी पसंद नहीं आया। एक एक्टर के लिए क्रिएटिव होना बहुत मायने रखता है। शाहिद को फिल्म इंडस्ट्री में लगभग 20 साल हो गए हैं। उनका मानना है कि एक एक्टर के लिए अपने किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करना बहुत जरूरी होता है। बार-बार एक जैसे रोल पर्दे पर नहीं दोहराने चाहिए। हमेशा कुछ ना कुछ नया करने की कोशिश में लगे रहना चाहिए। एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने कहा- मुझे एक ही चीज बार-बार करना पसंद नहीं है। हालांकि मैं जानता हूं कई एक्टर्स एक जैसा रोल करके सफल भी रहे हैं। सच कहूं तो उनकी सक्सेस की स्ट्रेटजी या फिर किसी फिल्म का कॉमर्शियली हिट होना काफी दफा इस बात पर भी निर्भर करता है। लेकिन मैं वैसा नहीं हूं। मैं दिल से क्रिएटिव हूं। मैं सेफ रहने के लिए एक ही तरह का रोल बार-बार नहीं कर सकता। मैं हर बार कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करना चाहता हूं। मुझे पता है ये मुश्किल है। मेरा मानना है कुछ नया करने के प्रयास में असफल होना भी गलत नहीं होता।

सवोदरा मोड़ पर बाइक से मेला देखने पहुंचे युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित सेमलापार रोड, गांव सवोदरा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार हेमराज वंशकार पिता रमेश वंशकार (19) ग्राम बांसखेड़ी, थाना मकसूधनगढ़, जिला गुना में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि कल दोपहर करीब 12 बजे उसका छोटा भाई अभिषेक वंशकार (18) निवासी बांसखेड़ी अपनी बाइक से मेला देखने ग्राम सीलखेड़ा गया था। वह मेला देखकर गांव लौट रहा था। शाम करीब पांच बजे सेमलापार रोड ग्राम सवोदरा मोड़ पर किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना की जानकारी गांव रंजीत सेहरिया ने हेमराज को मोबाइल पर दीड़थी। वह सेमलापार रोड ग्राम सवोदरा मोड़ पहुंचा तो भाई अभिषेक वंशकार सड़क पर पड़ा नजर आया उसे गंभीर चोटड़थी, जबकि कुछ दूरी पर रोड पर बाइक भी पड़ी थी। हेमराज 108 एंबुलेंस की मदद से भाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर अभिषेक को मृत घोषित कर दिया।

सुभाष नगर अंडरब्रिज के पास डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार की दर्दनाक मौत

सुभाष नगर अंडर ब्रिज के पास से बाइक सवार एक युवक डंपर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के समय डंपर मेट्रो निर्माण कार्य का सामान लेकर जा रहा था, तभी बाइक सवार युवक चपेट में आ गया। पीछे साईड दोनों पहियों में फंसने के कारण बाइक और युवक को चालक ने काफी दूर तक घसीट दिया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले डंपर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जहांगीराबाद पुलिस के मुताबिक जितेंद्र यादव पुत्र पहलवान सिंह (27) मूलतः ग्राम हरीपुरा थाना शमशाबाद जिला विदिशा का रहने वाला था। फिलहाल वह निशातपुरा इलाके में किराए से रहता था और एमबीए की पड़ाई करने के बाद करोंद स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी कर रहा था। बुधवार को वह बंटी नामक एक दोस्त की बाइक लेकर काम से निकला था। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे स्लाटर हाउस से मैदा मिल की तरफ जाते समय सुभाष नगर अंडर बिज के पास वह डंपर की चपेट में आ गया। जितेंद्र और उसकी बाइक डंपर के पहियों में फंस गई थी, जिसे चालक ने काफी दूर तक घसीट दिया। बुरी तरह से कुचल जाने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ने डंपर छोड़कर भागने के प्रयास किया, जिसे स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे के समय डंपर कोपरा भरकर ले जा रहा था।

डीजे की बॉडी में आया करंट, 16 साल के किशोर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित परसोरा गांव में बीती रात करीब दस बजे डीजे में डांस कर रहा किशोर करंट से झुलस गया। उसे बाराती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्गड़कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। पुलिस के अनुसार संदीप लोधा पिता शिवनारायण लोधा (16) ग्राम लोधीपुरा, थाना मलावर, जिला राजगड़ में रहता था। वह महज पांचवी कक्षा तक पड़ा था। नजीराबाद स्थित गांव परसोरा में उसके रिश्तेदार रहते हैं। रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने वह अपने परिवार के साथ आया था। बुधवार रात गांव में बारात निकली और संदीप भी बारात में डीजे के पास डांस कर रहा था। डीजे का वाहन गमलों से सजा हुआ था। गांव में बिजली के तार के पास से डीजे वाहन गुजरा और उसमें करंट आ गया। करंट आने से संदीप को तगड़ा झटका लगा था। बताया जाता है कि घटना के समय वह डीजे वाहन में था। तगड़ा झटका लगने के बाद बाराती और परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टर ने संदीप को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने फरार आरोपी को अवैध हथियार के साथ किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच ने दो हजार रुपए के इनामी फरार बदमाश को लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी थी कि अटल अयूब नगर केबिन के पास सलमान नामक बदमाश खड़ा है, जो अपने पास कट्टा रखे है। क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची तथा घेराबंदी कर सलमान को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से लोडेड पिस्टल बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ एमपी नगर थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है, जिसमें वह फरार चल रहा था।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को झांसी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 40 वर्षीय महिला ने दो सप्ताह पहले झांसी में रहने वाले इरशाद अहमद के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज करवाया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम झांसी भेजी गई थी। टीम ने आरोपी इरशाद (45) को गोड़ खिड़की के पास झांसी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

हमीदिया अस्पताल के पांच डॉक्टरों के कमरों से लाखों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल के पांच डॉक्टरों के हास्टल के कमरों से चोर दिनदहाड़े लैपटाप और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय सभी डाक्टर ड्यूटी पर गए थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक डॉक्टर मोहित कुमार (24) जीएमसी के ब्वायज होस्टल के बी ब्लाक में रहते हैं और डॉक्टर की पढ़ाई कर रहे हैं। बीती 29 जनवरी की सुबह करीब 9 बजे वह ई ब्लाक में रहने वाले अपने साथियों डा. वरुण विश्वास, डॉ. राजकुमार, डॉ. कल्पित दुबे और डॉ. शिवा सामी के साथ ड्यूटी पर गए थे। दोपहर करीब तीन बजे वापस लौटे तो उनके और दोस्तों के कमरे में रखा लैपटाप, स्मार्ट वॉच, रेडमी कंपनी की इयर बड, लैपटाप वाले बैग, नकदी साढ़े दस हजार रुपए, तीन क्रेडिट कार्ड, दो डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वन प्लस कंपनी की इयर बड समेत अन्य सामान गायब था। बदमाशों ने दो डाक्टरों के कमरे के पूरा सामान बिखरा दिया था। चोरी गए सामान की कीमत एक लाख रुपये से ज्यादा की बताई गई है। पुलिस ने डॉ. मोहित कुमार की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दो मोटर साइकिलें भी चोरी कर ले गए बदमाश

इसी थाना क्षेत्र से चोर दो मोटर सायकिलें भी चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक ब्रजकिशोर राठौर (52) चौकी के पास टीला जमालपुरा में रहते हैं और कलेक्ट्रेट कार्यालय में पिटीसन राईटर हैं। 29 जनवरी की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने अपनी बाइक खड़ी की और काम में व्यस्त हो गए। दोपहर करीब ढाई बजे देखा तो उनकी बाइक गायब हो चुकी थी। इसी प्रकार खानूगांव में रहने वाले मोहम्मद हसीन (43) मैकेनिक का काम करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपनी मोटर सायकिल घर के पास खड़ी की थी। इस दौरान कोई व्यक्ति उनकी बाइक चोरी कर ले गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

धक्का मारकर मोबाइल चुराने वाले बदमाश गिरफ्तार, दो बाइक भी मिली

बागसेवनिया पुलिस ने धक्का मारकर लोगों के मोबाइल फोन और सुनसान इलाके में खड़ी बाइकों के लाक तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से दो कीमती मोबाइल फोन और चोरी की दो मोटर सायकिलें जब्त की हैं। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ शहर के दूसरे थानों में अपराध दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक बागसेवनिया इलाके में बीती दस जनवरी की रात एक व्यक्ति को धक्का मारकर बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल गिराया और फिर मोबाइल उठाकर भाग निकले। इसी प्रकार पिपलानी स्थित कुबेर डेयरी के पास से निकल रहे एक व्यक्ति की जेब से कीमती मोबाइल चोरी हुआ था। इसके अलावा 21 जनवरी को रामेश्वरम शिक्षक कालोनी तथा पिछले साल 17 नवंबर को प्रगति पेट्रोल पंप के सामने से एक व्यक्ति की मोटर सायकिल चोरी हुई थी। पुलिस ने मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया, जिसके बाद दो संदेहियों का पता चला। पुलिस ने दोनों संदेही फरहान उर्फ सलमान (18) निवासी राजीव नगर झुग्गीबस्ती एमपी नगर और शक्ति उर्फ विश्वास राठौर (21) निवासी विकास नगर गोविंदपुरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने उक्त चारों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दो कीमती मोबाइल फोन और दो चोरी की मोटर सायकिलें जब्त की हैं।

सूने मकानों से लाखों के जेवरात और सामान चोरी

सूने मकानों से चोर लाखों रुपये कीमत के जेवरात और सामान चोरी कर ले गए। कोलार रोड स्थित दृष्टि सिटी में रहने वाली निर्मला त्रिपाठी के घर से चोर मंगलवार को दिनदहाड़े जेवरात और सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की सूची और कीमत का खुलासा नहीं हुआ है। पिपलानी थानांतर्गत गुप्ता कालोनी में रहने वाली अर्सा मंगलानी से घर से चोर 80 हजार रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए। एमपी नगर जोन क्रमांक दो स्थित डेंटल अस्पताल के पास प्रभात कुशवाहा का पांच हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। निशातपुरा थानांतर्गत जनता नगर करोंद में रहने वाले गजानंद नरवरे के घर के सामने खड़ी कार का सायलेंसर चोरी हो गया। इसी प्रकार खजूरी सड़क थानांतर्गत ग्राम जमुनिया छीर स्थित कमल रोजीरमानी के प्लाट पर लगे बोरवेल का र्स्टाटर और केबिल वायर तथा लोहे के पाईप बदमाश चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्यामला हिल्स इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी लाश पार्क में पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकी मिली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक अजय रैकवार पुत्र अशोक रैकवार (30) बाणगंगा का रहने वाला था। वह पालीटेक्निक चौराहा स्थित प्रियदर्शनी पार्क में चौकीदारी करता था। बुधवार सुबह पार्क के ही एक शीशम के पेड़ पर उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि उसे कुछ उधारी चुकानी थी, जिसको लेकर वह तनाव में रहता था। इसके अलावा पत्नी से भी उसका विवाद होता रहता था।

छोला मंदिर में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक धर्मेंद्र वर्मा (24) चांदबाड़ी छोला मंदिर में रहता था और प्रायवेट काम करता था। उसके पिता हम्माली करते हैं। बुधवार पिता घर में सो रहे थे, जबकि धर्मेंद्र अपने कमरे में था। दोपहर बाद पिता की नींद खुली तो धर्मेंद्र फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसे तुरंत ही नीचे उतारकर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

मेट्रो एंकर | **कोहेफिजा स्थित वीआईपी रोड का मामला**

किराना व्यवसायी को चाकू अड़ाकर लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा स्थित वीआईपी रोड पर किराना व्यवसायी को चाकू अड़ाकर स्कूटर, मोबाइल और पर्स लूटने वाले दोनों बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से लूटा गया माल और वारदात में उपयोग की गई स्कूटर समेत करीब डेढ़ लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक जैकी तीथार्नी (33) झूलेलाल मंदिर के पास बैरागड़ में रहते हैं और अन्ना नगर भेल में किराना दुकान चलाते हैं। बीती 17 जनवरी की रात वह दुकान बंद कर स्कूटर से घर जा रहे थे। रात करीब साड़े ग्यारह बजे वीआईपी रोड स्थित खानूगांव के आगे पहुंचे, तभी बगैर नंबर की काले रंग की स्कूटर पर सवार दो युवकों ने उन्हें रोक लिया। एक युवक ने उन्हें जबरन अपनी स्कूटर पर बिठा लिया, जबकि उसका साथी उनकी स्कूटर लेकर चलने लगा। लालघाटी चौराहे के पास उन्होंने अपनी गाड़ी लेने का प्रयास किया तो बदमाश चौराहे के आगे ब्रिज के पास लेकर पहुंचे। इस दौरान बदमाशों ने चाकू अड़ाकर उनकी स्कूटर, मोबाइल फोन और पर्स छीनकर भाग निकले। पर्स में सात हजार रुपए रखे हुए थे।

सीसीटीवी कैमरों से लगा बदमाशों का सुराग: विशेष टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी गोलू अहिरवार (23) निवासी गैस राहत कालोनी निशातपुरा और मनीष शिल्पकार (18) निवासी लांबाखेड़ा हर्ष ट्रांसपोर्ट के पीछे ईंटखेड़ी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से दो स्कूटर, सात हजार रुपये नकदी और मोबाइल फोन समेत करीब डेढ़ लाख का माल बरामद किया गया है।

कट्टा-कारतूस और छुरी के साथ कार में सवार तीन बदमाश गिरफ्तार

निशातपुरा पुलिस ने कार में सवार तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास अवैध रूप से रखे कट्टा-कारतूस और छुरी बरामद की है। तीन अन्य बदमाश भाग निकले। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि 5-6 लोग बैरसिया तरफ से होण्डा सिटी कार से भोपाल आ रहे हैं, जिनके पास हथियार हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने प्वाइंट लगाकर चैकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान मुखबिर के बताए नबंर की कार आती दिखी तो पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया। वाहन चालक ने पुलिस को देखकर कार को तेजी से जेल रोड की तरफ भगा दी। पुलिस ने पीछा कर पी-2 होटल के सामने उक्त कार को रोक लिया गया। इस दौरान कार में बैठे 3 बदमाश अंधेरे व पास में झाड़ियों का सहारा लेकर भाग गये। कार सवार 3 बदमाशों को कार सहित पुलिस ने पकड़ा। उनके पास एक देशी कट्टा, एक कारतूस और 2 बड़ी छुरी मिली। आरोपियों के नाम अंसार उर्फ शाहरुख निवासी परेवाखेड़ा ईंटखेड़ी, जुबेर बेग और श्याम बंसल निवासी गांधी नगर बताए गए हैं। पुलिस फरार हुए बदमाशों की तलाश कर रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022